WWW.Kanchanujala.in

हिन्दी दैनिक

kanchanujala14@gmail.com

कंचन उजाला

लखनऊ से प्रकाशित

सच्चाई के साथ

लूडो में बिट्टू का किरदार निभा रहे अभिषेक बच्चन, इंस्टा पर शेयर की तस्वीर

वर्षः 01 अंक : 310 | लखनऊ, शुक्रवार, 30 अक्टूबर, 2020 | पृष्ठ- 6 | मूल्य - 1 रुपये

कोरोना के दैनिक मामलों में लगातार दूसरे दिन वृद्धि

नयी दिल्ली, एजेंसी। केरल, महाराष्ट्र और दिल्ली में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में तेजी के कारण देश में लगातार दूसरे दिन इनकी संख्या में वृद्धि हुई है और यह 50 हजार के करीब पहुंच गयी तथा एक दिन में होने वाली मौतों की संख्या भी 500 से अधिक रही। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से गुरुवार को जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों में कोरोना के नए मामले 49,881 नए मामले सामने आए हैं और इससे प्रभावित होने वाले लोगों की संख्या 80.40 लाख हो गयी। एक दिन पहले बुधवार को इस संक्रमण के 43,843 मामले दर्ज किये गये थे, जबकि मंगलवार को यह आंकड़ा 36,470 था। पिछले 24 घंटों के दौरान 56,480 लोगों ने इस महामारी को मात दी। इससे सक्रिय मामले 7,116 घटकर 6,03,687 रह गए हैं। वहीं इस दौरान 517 मरीजों की मौत होने के बाद इससे जान गवाने वालों की संख्या 1,20,527 हो गयी है। कोरोना से अब तक 73.16 लाख लोग स्वस्थ्य हो चुके हैं। कोविड-19 से निजात पाने वाले लोगों की दर बढ़कर 90.99 प्रतिशत और सक्रिय मामलों की दर 7.51 प्रतिशत रह गयी है, जबकि मृत्यु दर 1.50 फीसदी है। इस महामारी से सबसे अधिक प्रभावित महाराष्ट्र में पिछले 24 घंटों के दौरान सक्रिय मामलों में 1,783 मामलों की कमी आने से इनकी संख्या घटकर 1.30 लाख पर आ गयी है, जबकि इस दौरान 91 लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या 43,554 हो गयी है। वहीं इस दौरान 8,430 लोग स्वस्थ हुए हैं, जिससे इस महामारी से निजात पाने वाले लोगों की संख्या 14.87 हो गयी है।

एथनॉल की कीमतों में 3.35 रुपए प्रति लीटर तक की वृद्धि

नयी दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने एथनॉल की कीमतों में दो रुपये से तीन रुपये 35 पैसे प्रति लीटरतक की वृद्धि की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति की गुरुवार को यहां हुयी बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गयी। सूचना एवं प्रसारण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने एक संवाददाता सम्मेलन में बैठक की जानकारी देते हुए कहा कि जिस प्रक्रिया से एथनॉल बनेगा उसके आधार पर इसकी कीमतें तय की गयी है। एथनॉल की कीमतों में दो रुपये से 3.35 रुपए प्रति लीटर की वृद्धि की गयी है। चीनी से निर्मित एथनॉल की कीमत 62.65 रुपए प्रति लीटर निर्धारित की गयी है जबकि बी. श्रैणी की खोई से प्राप्त एथनॉल की कीमत 57.61 रुपए प्रति लीटर और सी. श्रैणी की खोई से प्राप्त एथनॉल की कीमत 45.69 रुपए प्रति लीटर तय की गयी है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में देश में 38 करोड़ लीटर एथनॉल का उत्पादन किया जाता था जो पिछले साल बढकर 195 करोड़ लीटर हो गया था।

पाकिस्तान ने माना पुलवामा विस्फोट में हाथ, मंत्री फवाद चौधरी बोले

पुलवामा इमरान सरकार की बड़ी कामयाबी

इस्लामाबाद, एजेंसी। जम्मू कश्मीर में पाकिस्तान के नापाक मंसूबे किसी से छिपे हुए नहीं है। लेकिन, वह दुनिया के सामने आतंकवाद प्रायोजित करने से खुद का हमेशा नकारता रहा है। लेकिन, अब उसके मंत्री ने ही पुलवामा हमले को लेकर जो बयान दिया है उससे दुनिया के सामने एक बार फिर पाकिस्तान का असली चेहरा आ गया है। पाकिस्तान के मंत्री फवाद चौधरी ने संसद में गुरुवार को बयान देते हुए कहा कि पुलवामा में हमला इमरान खान के नेतृत्व में पाकिस्तान की बड़ी कामयाबी है। फवाद चौधरी के इस बयान से पाकिस्तान सरकार की दुनिया के सामने मुश्किलें और बढ़ सकती है। गौरतलब है कि एक दिन पहले कि पाकिस्तान के एक सांसद एयाज सादिक ने संसद में बयान देते हुए कहा कि था भारतीय विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान को भारत के दबाव में आकर छोड़ा गया। उन्होंने कहा कि जब विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने कहा कि भारत रात 9 बजे पाकिस्तान के ऊपर हमला करने वाला है, इसके बाद मीटिंग में आर्मी चीफ कमर जावेद बाजवा के माथे पर आ गए थे और उनके पैर कांप रहे थे। एयाज सादिक के इस बयान के बाद पाकिस्तान में बवाल मचा हुआ है। सांसद एयाज सादिक ने कहा कि भारतीय विंग कमांडर अभिनंदन को लेकर बुलाई गई बैठक में खुद पीएम इमरान खान ने आने से इनकार कर दिया था। उसमें आर्मी चीफ आए तो लेकिन उनके पैर कांप रहे थे और माथे पर पसीना था। उन्होंने कहा कि विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने कहा कि अगर अभिनंदन को सीमा पार नहीं जाने देंगे तो भारत रात 9 बजे पाकिस्तान पर हमला कर देगा। एयाज सादिक ने कहा- कुलभूषण के लिए हम अध्यादेश लेकर नहीं आए थे।

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण रोकने के लिए केंद्र सरकार का नया कानून

पांच साल तक जेल और एक करोड़ जुर्माने का प्रावधान

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए केंद्र सरकार ने अध्यादेश के जरिए नया कानून तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया है। इसके नियमों का उल्लंघन करने पर 5 साल तक की जेल और 1 करोड़ रुपए तक जुर्माना या फिर दोनों का प्रावधान किया गया है। कानून और न्याय मंत्रालय ने गुरुवार को यह अध्यादेश जारी किया है मंत्रालय ने कहा, अध्यादेश को कमिशन फॉर एयर क्वॉलिटी मैनेजमेंट इन एनसीआर एंड अजॉइनिंग एरियाज ऑर्डिनेंस 2020 कहा जाएगा। यह राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) और इसके साथ लगते इलाकों में लागू होगा। यह एनसीआर में वायु प्रदूषण से संबंधित मामलों से संबंधित है। यह एक बार में लागू होगा। बुधवार को राष्ट्रपति ने अध्यादेश पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। अध्यादेश के मुताबिक, दिल्ली से जुड़े वे इलाके जहां यह लागू हो सकता है उनमें पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश और दिल्ली-एनसीआर से सटे इलाके शामिल हैं जहां प्रदूषण का स्रोत मौजूद है और जो राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वायु की गुणवत्ता पर खराब असर डाल रहा है। कानून को सख्ती से लागू कराने के लिए एक कमीशन का गठन किया जाएगा, जिसमें 20 सदस्य होंगे। मंत्रालय ने कहा, कमीशन की ओर से जारी किसी आदेश और निर्देश या प्रावधानों का उल्लंघन दंडनीय अपराध होगा और पांच साल तक जेल या 1 करोड़ रुपये तक जुर्माना या फिर दोनों सजा दी जा सकती है। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और आस-पास के रायों में बढते जानलेवा प्रदूषण पर रोक लगाने के उपाय सुझाने के लिए गठित आयोग को एक महत्वपूर्ण कदम करार दिया है। जावड़ेकर ने केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में एक सवाल के जवाब में कहा, इस आयोग का गठन महत्वपूर्ण कदम है।

गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री केशुभाई पटेल का निधन

अहमदाबाद, एजेंसी। गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री और दिग्गज नेता केशुभाई पटेल का आज यहां निधन हो गया। वह 92 वर्ष के थे। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार कुछ समय पूर्व कोरोना संक्रमित पाए गए श्री पटेल को पहले अस्पताल से छुट्टी मिल गयी थी पर आज फिर साँस लेने में तकलीफ़ के चलते उन्हें उनके गांधीनगर स्थित आवास से लाकर यहां एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहाँ उन्होंने अंतिम सांस ली। उन्हें मधुमेह और उच्च रक्तचाप भी था। आज शाम उनका अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ गांधीनगर में किया जाएगा। राजनीति में वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से वरिष्ठ थे और उन्हें उनके राजनीतिक गुरुओं में से एक भी माना जाता है। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कर्नाटक के राज्यपाल और उनकी सरकार में मंत्री रहे वजुभाई वाला और मुख्यमंत्री विजय रूपाणी, उपमुख्यमंत्री नितिन पटेल तथा कांग्रेस के कार्यकारी प्रदेश प्रमुख हार्दिक पटेल समेत कई गणमान्य लोगों ने उनके निधन पर शोक प्रकट किया है।

नए भूमि कानून को लेकर पीडीपी का मार्च विफल, कई नेता हिरासत में

श्रीनगर, एजेंसी। केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में पुलिस ने गुरुवार को नए भूमि कानून के विरोध में मार्च निकाल रहे पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) के मार्च को विफल करते हुए श्रीनगर में पार्टी मुख्य कार्यालय को सील करने के अलावा 12 से अधिक वरिष्ठ नेताओं को हिरासत में ले लिया। नए कानून के तहत भारत का कोई भी नागरिक जम्मू और कश्मीर की जमीन खरीद सकता है। इससे पहले केवल जम्मू-कश्मीर राज्य के लोगों को ही वहां जमीन खरीदने का अधिकार था। हालांकि पीडीपी ने जम्मू में एक समान विरोध मार्च भी आयोजित किया। पार्टी मुख्यालय एस के पार्क में आज बड़ी संख्या में एकत्र हुए पीडीपी के वरिष्ठ नेता और अन्य कार्यकर्ता नए भूमि कानून और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ नारेबाजी कर रहे थे। वे लोग जब मार्च निकालने के लिए मुख्य रेजीडेंसी रोड की ओर कार्यालय के मुख्य द्वार से बाहर निकले तो वहां तैनात पुलिस कर्मियों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए 12 से अधिक नेताओं को हिरासत में ले लिया। इसके बाद सुरक्षा बलों ने पीडीपी कार्यालय की ओर जाने वाली सभी सड़कों को बंद कर दिया और किसी को भी वहां जाने की अनुमति नहीं दी जा रही है। पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने ट्विटर कर कहा, श्रीनगर में पीडीपी कार्यालय जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने सील कर दिया और शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन कर रहे उनके कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया। जम्मू में भी इसी तरह के विरोध प्रदर्शन किया गया। आप ही तय कर कि क्या ये सामान्य है।

खाद्यान्नों की पैकेजिंग अब शत प्रतिशत जूट की बोरी में

नयी दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने जूट की खेती को बढावा देने के लिए खाद्यान्नों के पैकेजिंग में शत प्रतिशत जूट की बोरी तथा कम से कम 20 प्रतिशत चीनी के लिए जूट बोरी का उपयोग करने का निर्णय लिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की गुरुवार को यहां हुयी बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गयी । सूचना एवं प्रसारण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में बैठक की जानकारी देते हुये बताया कि सरकार के इस निर्णय से जूट की खेती को बढावा मिलने के साथ ही मजदूरों को रोजगार मिलेगा। पश्चिम बंगाल, ओडिशा, असम, मेघालय, त्रिपुरा आदि राज्यों में बड़े पैमाने पर किसान जूट की खेती करते हैं। जूट उद्योग में चार लाख से अधिक मजदूरों को रोजगार मिलता है। श्री जावड़ेकर ने कहा कि जूट की उत्पादकता और गुणवत्ता में वृद्धि के लिए एक कार्यक्रम चलाया जा रहा है और इसके तहत किसानों के प्रमाणिक बीज उपलब्ध कराये जा रहे हैं।

पर्यावरण एवं विकास में संतुलन जरुरी: वेंकैया नायडू

नयी दिल्ली, एजेंसी। उप राष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने पर्यावरण एवं विकास में संतुलन बनाने पर जोर देते हुए गुरुवार को कहा कि सरकार, वित्त आयोग और स्थानीय निकायों को कर छूट और उपायों से भवनों के निर्माण को बढ़ावा देना चाहिए। श्री नायडू ने यहां एक उद्योगपतियों के एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि यह सबसे सही समय है जब पर्यावरण के अनुकूल भवन बनाने पर बल देना चाहिए। उन्होंने कहा कि न केवल नए भवनों को पर्यावरण के अनुकूल बनाना चाहिए बल्कि पुराने भवनों को प्रकृति के अनुसार विकसित किया जाना चाहिए। इनमें ऊर्जा और जल सरंक्षण को प्रोत्साहन देना चाहिए। उप राष्ट्रपति ने भवनों की अनुकूलता समुदायों के लिए आवश्यक तत्व करार देते हुए कहा कि कार्बन उत्सर्जन को प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए। इससे न केवल भारत मजबूत बनेगा बल्कि देश में हरियाली भी बढ़ेगी। सूखा, बाढ़ और दावानल का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन शाश्वत सत्य है और दुनिया भर के देशों को बढ़ते तापमान की चुनौती से निपटने के लिए क्रांतिकारी बदलाव की जरुरत है। उन्होंने कहा कि सतत् विकास के लिए प्रौद्योगिकी की जरुरत बल दिया और कहा कि प्रमुख चुनौती यह है कि विकास और पर्यावरण में संतुलन बनाया जाए और दोनों को साथ साथ रखा जाए।

महाराष्ट्र सरकार ने लॉकडाउन को 30 नवंबर तक बढ़ाया

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र सरकार ने कोरानो मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते गुरुवार को राज्य में लॉकडाउन को 30 नवंबर तक बढ़ा दिया है। हालांकि, राज्य सरकार ने यह भी कहा कि मिशन बिगिन अगेन के तहत महाराष्ट्र में कामकाज चरणवार पुन- शुरू करने का कार्य भी 30 नवंबर तक जारी रहेगा। राज्य सरकार के सभी विभाग इन दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन करेंगे। राज्य सरकार ने कहा है कि जिन कामकाज की पूर्व में अनुमति दी गई है, वे जारी रहेंगे और इस बारे में पूर्व में जारी आदेश भी नवंबर अंत तक लागू रहेंगे। कंटेनमेंट जोनों में लॉकडाउन के आदेश का सख्ती से पालन कराया जाएगा। महाराष्ट्र सरकार ने एक दिन पूर्व रेलवे अफसरों के समक्ष प्रस्ताव दिया था कि मुंबई की लोकल ट्रेनों में आम लोगों को नॉन पीक अवर्स यानी गैर व्यस्त समय में यात्रा की अनुमति दी जाना चाहिए।

मुंगेर में हिंसा: मूर्ति विसर्जन के दौरान लाठीचार्ज से गुस्साई भीड़ ने हिंसा की

नयी दिल्ली, एजेंसी। बिहार के मुंगेर में गुरुवार को फिर हिंसा भड़क गई। गुस्साई भीड़ ने बासुदेवपुर पुलिस चौकी में आग लगा दी। एसपी ऑफिस पर भी हमला हुआ। मुफस्सिल थाने में 6 गाड़ियों में आग लगा दी गई। इसके बाद चुनाव आयोग ने डीएम और एसपी को हटा दिया है। दरअसल, मूर्ति विसर्जन के दौरान फायरिंग में 26 अक्टूबर की रात एक की मौत हुई थी। जुलूस पर पुलिस ने बेरहमी से लाठीचार्ज किया था। इसका वीडियो 28 अक्टूबर को वायरल हुआ था। इसके बाद हिंसा भड़की। लोगों का यह गुस्सा एसपी लिपि सिंह को लेकर था, इसलिए स्थिति को काबू करने के लिए चुनाव आयोग ने मुंगेर एसपी के साथ डीएम राजेश मीणा को भी हटा दिया। स्थिति को संभालने के लिए डीआईजी मनु महाराज खुद भारी संख्या में पुलिस बल के साथ उतर आए। शाम में मानवजीत सिंह ढिल्लों को एसपी और रचना पाटिल को मुंगेर डीएम के रूप में नियुक्त कर दिया गया। दोनों को जल्द से जल्द जॉइनिंग के आदेश दिए गए थे, ऐसे में ये अधिकारी हेलिकॉप्टर से मुंगेर पहुंचे, क्योंकि पटना से यहां पहुंचने में 4 घंटे से ज्यादा वक्त लग जाता। डीएम का मुंगेर में रहना जरूरी है, क्योंकि वे अभी निर्वाचन अधिकारी की भूमिका में हैं। मुंगेर की घटना को देखते हुए चुनाव आयोग ने 3 नवंबर को मुंगेर से सटे सभी जिलों को अलर्ट पर रहने का आदेश दिया है। अपर निर्वाचन पदाधिकारी संजय कुमार सिंह ने बताया कि मुंगेर की स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में है। अधिकारियों को कैंप करने का निर्देश दिया गया है। मुंगेर में बुधवार को वोटिंग थी इसलिए सुरक्षा व्यवस्था चुस्त-दुरुस्त थी, लेकिन गुरुवार को सुरक्षा बलों के जाते ही लोग जमा होने लगे।

मोदी की नई भूमि नीति ने प्रदेश के सात दशक पुराने भूमि सुधार को पलटा: उमर अब्दुल्ला

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गुरुवार को आरोप लगाया कि प्रदेश के लिए नरेंद्र मोदी सरकार की नई भूमि नीति ने सात दशक पुराने भूमि सुधार को पलट दिया है। श्री उमर ने कहा कि केंद्र सरकार ने 1950 के शुरुआती दशत में ऐतिहासिक भूमि सुधार कानून बनाया था, जिसमें प्रदेश को सशक्त बनाने तथा गरीबी को कम करने का काम किया था। नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर ने माइक्रो ब्लॉगिंग साइट पर लिखा,÷केंद्र सरकार द्वारा 1950 के शुरुआती दशक में तैयार किये गए ऐतिहासिक भूमि सुधारों ने प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों को सशक्त बनाने और गरीबी में उल्लेखनीय कमी लाने का काम किया, लेकिन मोदी सरकार ने नई भूमि नीति के जरिये उसे पूरी तरह से पलट दिया। इससे पहले उन्होंने कहा कि प्रदेश की भूमि स्वामित्व को लेकर किए संशोधन अस्वीकार्य है। स्थानीय निवास के नियम को खत्म किया गया, जबकि गैर-कृषि भूमि खरीदने और कृषि भूमि के हस्तांतरण को आसान बनाया गया है। जम्मू- कश्मीर अब बिक्री के लिए तैयार है और गरीब छोटे भूमि रखने वाले मालिकों को नुकसान होगा। उन्होंने कहा कि दिलचस्प है कि केंद्र ने लद्दाख में होने वाले निकाय चुनावों तक इंतजार किया और भाजपा ने लद्दाख को बिक्री के लिए खड़ा करने से पहले बहुमत हासिल कर किया। लद्दाख के निवासियों को भाजपा के आश्वासनों पर विश्वास करने का फल मिला है।

दिल्ली में बढ़ने लगी सर्दी

अक्टूबर में न्यूनतम तापमान ने तोड़ा 26 साल का रिकॉर्ड

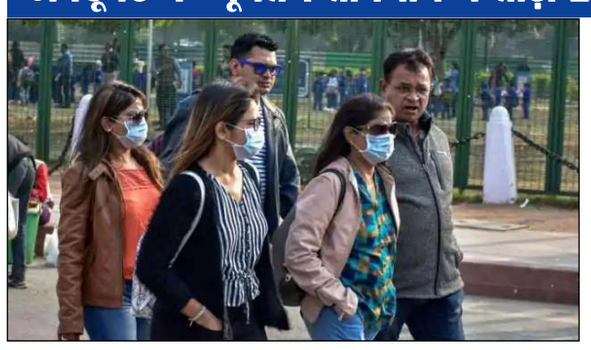

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में गुरुवार को न्यूनतम तापमान 12.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो पिछले 26 वर्षों में अक्टूबर महीने में सबसे कम है। भारतीय मौसम विभाग ने यह जानकारी दी। मौसम विभाग के मुताबिक, साल के इस समय में सामान्य न्यूनतम तापमान 15 से 16 डिग्री सेल्सियस रहता है। विभाग के क्षेत्रीय पूर्वानुमान केंद्र के प्रमुख कुलदीप श्रीवास्तव ने कहा कि इससे पहले वर्ष 1994 में दिल्ली में इतना कम तापमान दर्ज किया गया था। मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, आखिरी बार 31 अक्टूबर, 1994 को दिल्ली में न्यूनतम तापमान 12.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। श्रीवास्तव ने कहा कि शहर में अक्टूबर माह में सर्वकालिक न्यूनतम तापमान (9.4 डिग्री सेल्सियस) 31 अक्टूबर, 1937 को दर्ज किया गया था। मौसम विभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक ने कहा कि इस बार इतना कम न्यूनतम तापमान होने का कारण आसमान में बादलों का नहीं छाए रहना है। आसमान में बादल छाए रहने के कारण पृथ्वी से परावर्तित होने वाली अवरक्त (इंफ्रारेड) किरणों में कुछ किरणें बादलों के कारण वापस आ जाती हैं और इससे धरती गर्म हो जाती है। श्रीवास्तव ने कहा कि एक अन्य कारण शांत हवाएं हैं, जिसके कारण धुंध और कोहरा छाता है। मौसम विभाग ने कहा कि एक नवंबर तक न्यूनतम तापमान गिर कर 11 डिग्री सेल्सियस तक होने की संभावना है।

पूरी दुनिया जानती है आतंकवाद को समर्थन देने में पाक की भूमिका

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय विदेश मंत्रालय की ओर से गुरुवार को एक प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया। वार्ता के दौरान मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने भारत और अमेरिका के बीच हाल ही में आयोजित हुई टू प्लस टू वार्ता, आतंकवाद को लेकर पाकिस्तान की भूमिका और चाबहार परियोजना समेत विभिन्न मुद्दों को लेकर जानकारी दी। मंत्रालय ने कहा, आतंकवाद को समर्थन देने में पाकिस्तान की भूमिका से पूरी दुनिया वाकिफ है। कितना भी मना कर लिया जाए लेकिन इस सच को छिपाया नहीं जा सकता है। ऐसा देश जो संयुक्त राष्ट्र की ओर से प्रतिबंधित सर्वाधिक आतंकियों को पनाहगाह उपलब्ध कराता हो उसे खुद को पीड़ित दर्शाने की कोशिश भी नहीं करनी चाहिए। भारत और अमेरिका के बीच हुई टू प्लस टू वार्ता को लेकर अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि दोनों देशों के बीच हर क्षेत्र में भागीदारी बढ़ी है, जिस पर संतुष्टि जताई गई। हम राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर भी संपर्क में हैं। इसे लेकर दोनों पक्ष बहुपक्षीय प्रारूपों पर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वार्ता में चर्चा का प्रमुख बिंदु हिंद-प्रशांत क्षेत्र रहा। चाबहार बंदरगाह को लेकर मंत्रालय ने कहा कि अमेरिका ने भी इसे लेकर हमारे रुख को सराहा है। श्रीवास्तव ने कहा कि हमारे विकास सहयोग, बहुपक्षीय कनेक्टिविटी इन्फ्रास्ट्रक्चर और तैयार किए गए व्यापार संपर्कों के साथ इस संबंध में सतत विकास के लिए अफगानिस्तान के साथ हमारे सहयोग और प्रयासों की अमेरिका ने भी सराहना की है।

फ्रांस के चर्च में हमलावर ने चाकू से की 3 लोगों की हत्या, महिला का गला काटा

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस के दक्षिणी शहर नीस में एक हमलावर ने चर्च के पास लोगों पर चाकू से हमला कर दिया है। हमलावर ने एक महिला का गला काट दिया। इस हमले में महिला सहित तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं, कई लोग घायल बताए जा रहे हैं। हमलावर को गिरफ्तार कर लिया गया है। शहर के मेयर ने इसे आतंकवादी घटना करार दिया है। समाचार एजेंसी एएनआई ने रॉयटर्स के हवाले से यह जानकारी दी है। नीस के मेयर क्रिस्चियन इस्तोर्सी ने कहा कि चाकू से हमले की यह घटना शहर के नोट्रे डेम बेसिलिका चर्च में हुई है। पुलिस ने हमलावर को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, फ्रांस के एक नेता ने भी इस बात की पुष्टि की है कि महिला का गला काट कर सिर धड़ से अलग कर दिया गया। हालांकि, यह अभी तत्काल स्पष्ट नहीं हो पाया है कि चर्च में चाकू से हमला कर के लोगों की हत्या करने के पीछे मकसद क्या था? फ्रांस के आतंकवाद निरोधक विभाग ने कहा कि उसे इस हमले के जांच की जा रही है। गौरतलब है कि फ्रांस में पिछले दिनों एक उग्रवादी ने पैगंबर पर बने कार्टून को दिखाने वाले शिक्षक की हत्या कर दी थी। शिक्षक ने उग्रवादी की बेटी को वो कार्टून दिखाया था, इस पर उग्रवादी ने शिक्षक की गला काटकर हत्या कर दी थी। इस मामले को लेकर बवाल अब भी शांत नहीं हुआ है। इस पूरे मामले पर फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों द्वारा इस्लामिक आतंकवाद को लेकर तीखी प्रतिक्रिया के बाद से कुछ मुस्लिम देशों ने कडा रुख अपनाया और इस पूरे मामले में मैक्रों की आलोचना की।

भाई ने अपनी बहन की हरकत सेआजिज आकर अपनी सगी बहन की घर में फावड़े से हत्या कर दी

गोरखपुर/ चिलुआताल थाना क्षेत्र के ग्राम सभा परमेश्वरपुर टोला भंडारों में गुरुवार की शाम एक भाई ने अपनी सगी बहन को मार डाला। घर में रखे फावड़े से उसकी हत्या करके पुलिस को112 नंबर पर सूचना दी। सनसनीखेज घटना की जानकारी होने पर पहुंची पुलिस ने भाई को हिरासत में ले लिया है। 2 साल से युवक की बहन का प्रेम संबंध गांव के एक युवक संग चल रहा था। पुलिस का कहना है की बहन की हरकतों से आजिज होकर भाई ने उसकी जान ले ली। इलाके के एक परिवार की बेटी का प्रेम संबंध गांव के एक युवक संग था। करीब 2 साल से दोनों एक दूसरे से चोरी छुपे मिल रहे थे। 2 माह पूर्व दोनों कहीं चले गए। तो परिवार के लोग किसी तरह से उनको खोज कर ले आए। लोक लाज की वजह से पुलिस को सूचना देने के बजाय आपस में सुलह समझौता करके घर चले गए। लोगों ने किशोरी को रिश्तेदारी में भेज दिया। दुर्गा पूजा में किशोरी घर लौट कर आई तो दोबारा उसने युवक से मिलना जुलना शुरू कर दिया था। मिली जानकारी के अनुसार ग्राम सभा परमेश्वरपुर टोला भंडारों निवासी रामबुझारथ निषाद गोरखपुर रेलवे वर्कशॉप में काम करते हैं उनके पास दो बेटियां चांदनी, अंजनी,व तीन बेटे गोविंद अरविंद गुड्डू है रामबुझारथ अपनी बड़ी बेटी चांदनी की कुछ साल पूर्व शादी कर दिए थे। वेटो में गोविंद निषाद सबसे बड़ा बेटा था ।गुड्डू की बहन अंजनी का गांव में किसी लड़के के साथ प्रेम संबंध चल रहा था।

आज 29/10/ 2020 दिन गुरुवार को अंजनी मौका देख कर वह घर से कहीं बाहर गई। उसके घर पहुंचने पर बड़े भाई गोविंद निषाद को जानकारी हुई तो वह अपना आपा खो बैठा। बहन की हरकतों से नाराज गोविंद भाई ने फावड़े से हमला करके अपनी सगी बहन अंजनी की हत्या कर दी। फिर खुद ही 112 नंबर परपुलिस को फोन करके वही बैठा रहा। घटना की सूचना पाकर मौके पर चिलुआताल थाना प्रभारी नीरज राय मैं फोर्स के साथ पहुंचे , सूचना पर ए यस पी/सीओ कैंपियरगंज राहुल भॉटी घटनास्थल पर पहुंचकर पड़ताल की। आरोपी भाई गोविंद को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। पुलिस लाश को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया, वही पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है।

सपा के विरोध के बाद गोरखपुर रेलवे अस्पताल के शौचालय का बदला रंग

गोरखपुर/ गुरुवार को एक हैरान करने वाला मामला सामने आया। यहां रेलवे अस्पताल के शौचालयों की दीवारों का रंग समाजवादी पार्टी के झंडे जैसा होने पर सपा नेताओं ने एतराज जताया। समाजवादी पार्टी की ओर से इस पर घोर आपत्ति जताते हुए तुरंत इसे ठीक करने की अपील की गई और शौचालय की दीवारों पर कालिख व मोबिल ऑयल लगा दिया गया। हालांकि मामला बढ़ता देख रेलवे प्रशासन ने शौचालय की दीवारों को सफेद रंग पेंट कर दिया । बता दें कि इस मामले को लेकर सपा नेताओं ने सपा जिलाध्यक्ष राम नगीना साहनी के नेतृत्व में रेलवे महाप्रबंधक कार्यालय पहुंच गए और नारेबाजी शुरू कर दी। इस दौरान आरपीएफ ने सभी को रोक दिया, सिर्फ पांच लोगों ने कार्यालय के अंदर जाकर अपर महाप्रबंधक को ज्ञापन सौंपा। इससे पहले सपा कार्यकर्ताओं ने शौचालय की दीवारों पर मोबिल पोत कर विरोध जताया।

यह था पूरा मामला

गुरुवार को समाजवादी पार्टी ने ट्वीट कर इस बारे में आपत्ति जताई। ट्वीट में लिखा गया, दूषित सोच रखने वाले सत्ताधीशों द्वारा राजनीतिक द्वेष के चलते गोरखपुर रेलवे अस्पताल में शौचालय की दीवारों को सपा के रंग में रंगना लोकतंत्र को कलंकित करने वाली शर्मनाक घटना! गुस्साए सपाइयों ने ज्ञापन सौंपने के बाद शौचालयों पर लगे टाइल्स पर कालिख और मोबिल लगाकर विरोध प्रकट किया। इस दौरान सपाईयों ने टाइल्स का रंग बदलने की मांग करते हुए जमकर नारेबाजी की। पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने कहा कि यहां करीब एक साल पहले साफ सफाई के लिए टॉयलेट बनवाया गया है।

शेरनी दस्ता की गिरफ्त में आये अवैध शराब तस्कर

सूरजकुण्ड चौकी प्रभारी विकास कुमार सिंह के नेतृत्व में शेरनी दस्ता को मिली सफलता

गोरखपुर/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जोगिंदर कुमार के द्वारा अवैध शराब कारोबारियों तस्करों के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना प्रभारी मनोज कुमार राय के निर्देश और सूरजकुण्ड चौकी प्रभारी के नेतृत्व में शेरनी दस्ता को क्षेत्र में लगातार सक्रिय किया जा रहा है आज उसी का नतीजा रहा कि शेरनी दस्ता ने रास्ते मे जा रहे शराब तस्करों को पकड़ने में बड़ी सफलता हसिल किया है। शेरनी दस्ता की महिला कांस्टेबल नेहा सिंह और पूजा गौतम ने अपने साहस का परिचय देते हुए सूरजकुण्ड क्षेत्र से मोटरसायकिल से जा रहे दो शराब तस्करों को गिरफ्तार कर लिया इनके कब्जे से 40 लीटर अवैध शराब बरामद की गई और एक मोटरसाइकिल।

त्योहार व लगन से कपड़ा मार्केट हुए गुलजार

गोरखपुर/ त्यौहार और लगन के कारण कपड़ों के बाजार गुलजार होने लगे हैं। शहर के अलावा ग्रामीण इलाकों में कपड़ों की मांग बढ़ी है। दिवाली समेत अन्य त्योहारों को देखते हुए लोगों ने खरीदारी शुरू कर दी है।

दिवाली के मौके के लिए कुर्ता पायजामा और शादी ब्याह के मौके के लिए लोग शेरवानी खरीदना पसंद कर रहे हैं। युवाओं के लिए बाजार में अलग-अलग कंपनियों की पैंट शर्ट भी है। युवतियो के लिए कुर्ती, डिजाइनर सूट, लाग सलवार सूट, प्रिंटेड पैट व अन्य डिजाइनर कपड़े उपलब्ध है। महिलाओं के लिए जाजेट, शिफॉन की साड़ियां आ गई है। कॉटन की साड़ियों के आरामदायक होने से महिलाएं इसे खूब पसंद कर रही हैं। बाजार में छोटे बच्चों की कपड़े भी काफी लुभा रहे हैं। प्रिंटिंग पैट, डिजाइनर फ्रॉक्स के अलावा प्रिंटेड शर्ट व पैट भी काफी मांग है। त्यौहार के साथ स्कूल की पढ़ाई के लिए भी बच्चों के लिए कपड़े खरीदे जा रहे हैं। गोलघर ,रेती, पांडेय हाता, गीता प्रेस रोड, घंटाघर, कालीबाड़ी रोड, अलीनगर, गोरखनाथ, धर्मशाला, राजेंद्र नगर, बरगदवा, मोहरीपुर,असुरन, पादरी बाजार, रुस्तमपुर, सिंघडिया, दुर्गा बाड़ी, मोहद्दीपुर, विजय चौराहा समेत आदि प्रमुख बाजार हैं। कपड़ों के बाजार पर त्यौहार का असर दिखने लगा है। त्योहारों और लगन को देखते हुए कपड़ों के बाजार में रौनक आ गई है। दिवाली के वक्त बाजार की रौनक और बढ़ेगी। इस वर्ष कपड़ों का बाजार काफी प्रभावित रहा। त्योहारों से उम्मीद है, नवंबर में लग्न है, और इसके पहले दिवाली है। इसका असर दिख रहा है। लोग खरीदारी के लिए बाजार आ रहे हैं। ब्रांडेड कपड़ों की मांग त्योहार के साथ लग्न में काफी बढ़ जाती है। अब बाजार में ग्राहक नजर आ रहे हैं। शोरूम में त्यौहार के साथ लगन को देखते हुए खरीदारी हो रही है। आगे और रौनक बढ़ेगी।कोरोना सेफ्टी के सभी मानकों को ध्यान में रखा जाता है।

चिलुआताल पुलिस अपहित व्यक्ति व अभियुक्त को बरामद/गिरफ्तार किया

गोरखपुर/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जोगेंद्र कुमार नेअपराध व अपराधियों पर अंकुश लगाने में लगातार चिलुआताल पुलिस प्रयत्न सील रहते हुए तत्परता के साथ 18 घंटे के अंदर अपहित व्यक्ति व अभियुक्त को बरामद/गिरफ्तार करने में सफलता पायी। मुक़दमा अपराध संख्या 725 / 2020 धारा 363/ 366 भादवी थाना चिलुआताल गोरखपुर से संबंधित अभियुक्त इब्राहिमपुर अंसारी पुत्र ज़ाहिद अली निवासी डोहरिया बाजार थाना चिलुआताल गोरखपुर को उपनिरीक्षक कल्पनाथ सिंह चौकी प्रभारी मजनू द्वारा अपहित के साथ पुलिस हिरासत में लेकर आवश्यक कार्यवाही की।

ट्रक की चपेट में आकर बाइक सवार महिला की दर्दनाक मौत

गोरखपुर/चिलुआताल थाना क्षेत्र के बरगदवा खजांची रोड के हिमांशु गैस एजेन्सी के सामने बाइक पर बैठी महिला की अनियंत्रित ट्रक की चपेट में आकर घटना स्थल पर ही मौत हो गयी। मिली जानकारी के अनुसार मृतका पुष्पा देबी उम्र40 पत्नी रामप्रीत यादव अपने लड़के गोबिन्द यादव के साथ बाइक से गुरुवार की शुबह गौरी बाजार के मुडेरी बखरा से खेत देख कर वापस बरगदवा आ रही थी शुबह लगभग नौ बजे हिमांशु गैस एजेन्सी के पास पहुंचे ही थे कि बिपरीत दिशा से आ रही ट्रक की चपेट में आ गयी परिणाम स्वरूप घटना स्थल पर ही मौत हो गयी सूचना पर पहुंची चिलुआताल पुलिस मौके पर पहुच शव कब्जे में लेकर पी यम के लिये भेज दिया मृतका अपने पीछे तीन बेटे गोबिन्द, अरबिंद, परविन्द सहित भरा पुरा परिवार छोड गयी है।

तपस्वी छावनी में परमहंसदास ने किया संविधान पुनर्प्रतिष्ठा महायज्ञ

अयोध्या । आचार्य पीठ तपस्वी छावनी में गुरूवार को महंत परमहंस दास के संयोजन में संविधान पुनर्प्रतिष्ठा महायज्ञ का आयोजन किया गया। इस धार्मिक अनुष्ठान में काफी संख्या में संत व रामभक्त भी उपस्थित रहे। जिन्होंने यज्ञशाला में आहुतियां डालने के बाद 108 बार जय श्री राम का जाप किया। महायज्ञ की पूर्णाहुति के पश्चात महंत श्री दास द्वारा कन्या पूजन किया गया।

इस अवसर पर महंत परमहंस दास ने कहाकि जब बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर ने भारतीय संविधान की संरचना की थी। तो उसमें सबसे पहले रामदरबार का चित्र अंकित किया गया। लेकिन बाद में कांग्रेसियों ने भारतीय संस्कृति को विलुप्त करने की साजिश के तहत। संविधान की प्रकाशित प्रतियों से रामदरबार का चित्र गायब करवा दिया। तब से लोगों में कानून नाम का डर गायब हो गया। आज हमारी निकिता तोमर जैसी न जानें कितनी बहन-बेटियों की हत्याएं और इज्जत लूटी जा रही हैं। तो कहीं गैंगरेप हो रहा है। इसलिए मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आग्रह करता हूं कि संविधान की सभी प्रतियों में मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम को पुर्नप्रतिष्ठित किया जाए। उन्होंने कहाकि संविधान हमारे लिए मंदिर के समान है। उसके देवता भगवान राम हैं और अगर मंदिर से देवता हट जाएं। तो उसमें बचेगा क्या? इसलिए राममंदिर निर्माण के साथ ही साथ, संविधान में भगवान राम को पुर्नप्रतिष्ठित करके पूरे देश में राममय वातावरण बनाया जाए। भारतीय संस्कृति का समग्र दर्शन भगवान राम के चरित्र से किया जाता है। रामचरित मानस को राष्ट्रीय ग्रंथ घोषित करके केजी से पोस्ट ग्रेजुएट तक के विविध पाठ्यक्रमों में अनिवार्य किया जाए। साथ ही माताओं, बहनों और बेटियों की सुरक्षा के लिए कठोर कानून बनाया जाए। ताकि गैंगरेप, हत्या जैसी घटनाओं को रोका जा सके। महंत ने कहाकि महाराष्ट्र सरकार में शराब की दुकानें, मॉल व मार्केट खुल गए। लेकिन मंदिरों में ताला लगा हुआ है। महाराष्ट्र सरकार की बुद्धि-शुद्धि के लिए भी हवन-पूजन किया गया। एक धर्माचार्य होने के नाते मैं राष्ट्रहित में पीएम मोदी से मांग करता हूं कि भारतीय संविधान की जो भी प्रतियां प्रकाशित हों। उसमें भगवान राम को पुर्नप्रतिष्ठित किया जाए। इस मौके पर हिंदू महासभा के राष्ट्रीय महासचिव देवेंद्र पाण्डेय व प्रदेश अध्यक्ष पीयूष कांत वर्मा भी मौजूद रहे।

आगामी यातायात माह के लिए स्काउट गाइड ने की तैयारी बैठक-सहायक प्रादेशिक संगठन कमिश्नर

बस्ती। दौलत राम स्काउट भवन सभागार में सहायक प्रादेशिक संगठन कमिश्नर सुरेश प्रसाद तिवारी की अध्यक्षता में स्काउट गाइड की है आवश्यक बैठक हुई,जिसमें आगामी यातायात माह के लिए अपनी तैयारियों पर चर्चा हुई,बैठक को संबोधित करते हुए सहायक प्रादेशिक संगठन कमिश्नर बस्ती मंडल बस्ती सुरेश प्रसाद तिवारी ने कहा कि स्काउट गाइड प्रशासन की हर अभियान में अपनी सहभागिता निभाते रहते हैं,आने वाले माह में भी लोगों को जागरूक करने का कार्य मुस्तैदी से करेंगे। जिला सचिव डॉ. हरेंद्र प्रताप सिंह ने वॉलिंटियर को संबोधित करते हुए कहा कि आप जहां भी रहें मार्ग दुर्घटना के प्रति लोगों को जरूर जागरूक करें और उन्हें सुरक्षित रहने का तरीका बताएं।

जिला प्रशिक्षण आयुक्त स्काउट कुलदीप सिंह ने कहा कि मार्ग दुर्घटना के दौरान अधिकांश हेलमेट न लगाने की वजह से और अत्यधिक रक्त शरीर से बह जाने की वजह से होती है, हमारा प्रयास होना चाहिए लोगों को इस प्रकार से जागरूक करें कि वह हेलमेट लगाना, यातायात नियमों का पालन करना दूसरों को भी जागरूक करना अपने दिनचर्या में शामिल कर लें। बैठक में अमित कुमार शुक्ल जिला संगठन आयुक्त स्काउट,शिव पूजन वर्मा स्काउट मास्टर,श्रवण कुमार गुप्ता काउंसलर स्काउट,अबू अनस मेकरानी,राजमन शर्मा, सौरभ दुबे, रामकुमार निषाद,हरिओम,संकल्प श्रीवास्तव,प्रभात विक्रम,नेहा गुप्ता, शालिनी गुप्ता आदि की सहभागिता रहे।

भाजपा मंडल मीडिया प्रभारी बने युवा आकाश कश्यप

दूधीबारी भारतीय जनता पार्टी शिवधाम इटहिया के मण्डल अध्यक्ष गौतम चौधरी ने युवा आकाश कश्यप को शिवधाम इटहिया के भाजपा मंडल मीडिया प्रभारी नियुक्त किया। जिसमें भाजपा के कार्यकर्ताओं ने खुशी का इजहार जताई । वही शिवधाम इटहिया के मण्डल अध्यक्ष गौतम चौधरी , जनलिस्ट प्रेस क्लब के अध्यक्ष व भाजपा नेता अजय कुमार श्रीवास्तव , जिला कार्यसमिति सदस्य ज्योतिष मणि त्रिपाठी , भाजपा युवा मोर्चा के अध्यक्ष

दुर्गा प्रसाद गुप्त , चंदन मद्धेशिया , मुन्ना गुप्ता जिला पंचायत सदस्य, राम प्रवेश यादव बूथ प्रमुख, मण्डल उपाध्यक्ष जितेंद्र पांडेय ने बधाई दिया। शिवधाम इटहिया के भाजपा मंडल मीडिया प्रभारी युवा आकाश कश्यप ने पदाधिकारीयो को धन्यवाद देते हुए कहा कि पार्टी को मेहनत लगन निष्ठा के साथ लोगो को जागरूक कर भाजपा पार्टी में जोड़ने का काम करेंगे। जिससे कि 2022 मिशन चुनाव को लेकर भाजपा का परिणाम सतप्रतिशत हो।

शहर में फिर जमा होने लगा बारूद का ढेर सघन आबादी वाले मोहल्ले सबसे संवेदनशील

गोरखपुर/ शहर के अंदर पटाखों की बिक्री पर रोक है। मुख्य बाजार में स्थायी और अन्य इलाकों में अस्थायी लाइसेंस धारक ही पटाखे बेच सकते हैं, लेकिन कोतवाली, राजघाट, गोरखनाथ और तिवारीपुर इलाके में बारूद के ढेर जमा होने लगे हैं। धंधेबाजों ने दुकानों और घरों में पटाखे जमा कर लिए हैं। सघन आबादी वाले मोहल्ले छोटे काजीपुर, नखास चौराहे के पास, रसूलपुर, हुमायूंपुर उत्तरी, राजघाट व तिवारीपुर थाना क्षेत्र का बाहरी इलाका सबसे संवेदनशील है। दिपावली को देखते हुए धंधेबाज अपना काम पूरी सतर्कता के साथ कर रहे हैं। पटाखे की आपूर्ति करने के लिए ग्राहकों को रात में बुलाया जा रहा है। 30 अक्टूबर 2019 को कोतवाली क्षेत्र के खूनीपुर स्थित एक पार्क में पटाखों से भरी मैजिक में धमाके के बाद आग लग गई। अचानक हुए धमाके से बाजार में भगदड़ मच गई थी। फायर ब्रिगेड की टीम में 1 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया था। पुलिस से बचने के लिए कारोबारी पटाखे को मैजिक में छिपाकर बेच रहे थे।

24 अक्टूबर 2018 सिटी मजिस्ट्रेट ने कोतवाली के नखास में अवैध पटाखे का गोदाम सील किया। 13 अक्टूबर 2017 को प्रशासन और पुलिस की टीम ने कोतवाली के छोटे काजीपुर में पटाखे का अवैध गोदाम पकड़ा। 21 अक्टूबर 2016 को क्राइम ब्रांच ने नखास चौक पर गोदाम से डेढ़ ट्रक पटाखे बरामद किए। 23 अक्टूबर 2016 को राजघाट पुलिस ने 2 गोदाम पर छापा डालकर एक डीसीएम से अधिक पटाखे बरामद किए। 27 अक्टूबर 2016 को राजघाट के रायगंज दक्षिणी में पुलिस ने छापा डालकर घर में छिपा कर रखा गया एक डीसीएम पटाखा बरामद किया। वर्ष 1998 में प्रीति चौराहे के पास एक पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट तीन मरे। वर्ष 2006 में खजनी रोड पर एक फैक्ट्री में विस्फोट में चार लोगों की मौत,कई घायल। वर्ष 2006 में ही गोरखनाथ स्थित पटाखे की एक दुकान में विस्फोट, औ दुकानदार की बेटी की जान चली गई। 22 मई 2013 को चिलुआताल थाना क्षेत्र के मानीराम सिक्टौर में अवैध पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट से महिला की मौत, कई अन्य घायल। बिजली के तार के नीचे और ट्रांसफार्मर के आसपास दुकान न हो, 10 दुकानों के समूह से इतनी ही दुकानों के दूसरे समूह के बीच 15 मीटर का फासला हो, खुले पटाखों को बेचने की अनुमति नहीं होगी। दुकान में 5 किलो छमता का अग्निशमन उपकरण रखना होगा। दुकान में बालू से भरी दो बाल्टियां, पानी भरे ड्रम के साथ ही 2 बोरा अतिरिक्त बालू और बेल्चा भी रखना होगा। दुकान में लालटेन, मोमबत्ती, लैप या किसी भी चिराग का प्रयोग प्रतिबंधित होगा। दुकान के अंदर वायडक्षरग लाइसेंसी लाइनमैनो से ही करानी होगी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जोगेंद्र कुमार ने कहा कि शहरी क्षेत्र में पटाखों का गोदाम बनाने वालो के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश थानेदार को दिए गए हैं। प्रशासन द्वारा निर्धारित किए गए स्थल पर ही पटाखे बिकेंगे। दिशा निर्देश की अनदेखी करने वालों पर कार्रवाई होगी। पटाखे की वजह से क्षेत्र में कोई घटना होने पर थाना व चौकी प्रभारी के खिलाफ कार्रवाई होगी। एसएसपी जोगेंद्र कुमार ने इसको लेकर अभी से सख्ती शुरू कर दी है। सीएफओ मुख्य अग्निशमन अधिकारी के नेतृत्व में उन्होंने एक टीम गठित की है जो पिछले 10 साल में हुई कार्रवाई और घटना का विवरण जुटा रही है। किन पर कार्रवाई हुई, कहां पर पटाखे कि गोदाम पकड़े गए थे और इस बार क्या स्थित है, इस हिसाब से टीम कार्रवाई करेगी।

अंडरपास 13 सी राहगीरों के लिए बना मुसीबत, जिम्मेदार मौन

महाराजगंज जनपद गोरखपुर नौतनवा रेलखंड के पुरंदरपुर रेलवे स्टेशन के समीप उत्तरी छोर पर स्थित गेट संख्या 13 सी पर निर्माण अंडर पास पुल बना राहगीरों के लिए मुसीबत, जिम्मेदार मौन। बताते चलें कि अंडर पास कुल 13 सी राहगीरों के लिए यह बहुत ही मुसीबत बना हुआ है ।हर वक्त पुल के नीचे से ओवरफ्लो पानी हो रहा है जो दो मजदूरों द्वारा रोजमर्रा की तरह पंपिंग सेट से सुबह-शाम पानी निकाला जाता है। जिसका खामियाजा राहगीरों को भुगतना पड़ रहा है कोई टू व्हीलर लेकर जा रहा है तो बाइक अंडर पास में ही बंद हो जा रहा हैं एवं कोई फोर व्हीलर लेकर जा रहा है तो बाहर निकलने से पहले ही बंद हो जा रहा है कई ऐसे वाहनों में देखा गया कि वाहन का सलेनसर पानी में डूब जा रहा है और वाहन बीच भरा पानी में बंद हो जा रही है। रेल प्रशासन पर उठ रहा सवाल अंडर पास पुल निर्माण होने से पूर्व में भी यहां के क्षेत्रीय जनता द्वारा किया गया था भारी आंदोलन उक्त निर्माण पुल को रोकने के लिए। सवाल यह है कि बरसात के दिन में भी राहगीर आते जाते रहे लेकिन जब वही ठेका प्रथा से लगाए गए दो मजदूर दशरथ व रामशरण को पंपिंग सेट से पुल के नीचे का पानी निकालने के लिए लगाया गया था पर मजदूरी ना मिलने पर मंगलवार को अंडर पास का पानी पंपिंग सेट से बाहर नहीं निकाला गया तो वहीं पानी लगभग 4 से 5 फीट हो गया जिससे वाहन सहित राहगीर पुल के निचे से जाने से वंचित रहे और खूब मुसीबतों का मार झेलना पड़ा। क्षेत्रीय जनता विजयपाल चौधरी ,गंगाराम, बृजेश, प्रमोद, अंजुम खान, त्रिलोकी चौधरी, छोटू आदि क्षेत्रीय लोगो ने बताया कि यह प्रमुख मार्ग है जो कृषि यंत्रों की सुविधा से उक्त मार्ग अंडर पास फुल बनने से वंचित हो गया है और काफी मुसीबतों का मार झेलना पड़ता है। उक्त लोगों ने सरकार से किया सवाल जब कृषि यंत्र उक्त रास्ते नहीं जा पा रहा है तो पैदल यात्रियों के लिए क्यों बना मुसीबत। वैश्विक महामारी से रेल प्रशासन द्वारा बहुतायत ट्रेनों को संपूर्ण रूप से बंद किया गया था जिसमें गोरखपुर नौतनवां रेलखंड का भी ट्रेन का आवागमन ठप है। उन लोगों ने यह भी कहा कि ऐसी परिस्थिति में जब ट्रेन का आवागमन नहीं हो रहा है तो ऊपर का रास्ता बैरिकेडिंग हटाकर गड्ढा मुक्त करके आवागमन पूर्व की तरह प्रारंभ किया जाए जो राहगीरों किस समस्या से निजात मिले। समाचार लिखे जाने तक अंडर पास पुल के नीचे से बुधवार को भी पानी नहीं निकाला गया था।

आगामी त्योहारों को लेकर पटाखे अतिशबाजी मे सरकार की गाइड लाइन जारीः एसडीएम

नौतनवा संवाददाता बबलू राव महराजगंज तहसील नौतनवा क्षेत्र से उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा आगामी त्योहार दीपावली,छठ पूजा आदि में पटाखें आतिशबाजी में सरकार ने सख्त कदम उठाते हुए कई तरीके की गाइडलाइन जारी कर दी है। हर साल पटाखा फैक्ट्रियों ने होने वाले दुर्घटनाओं को देखते हुए इस बार शहर के बाहर खाली जगहों पर दुकान लगाने की अनुमति दुकानदारों को मिलेगी, लेकिन उसमें भी कई मानकों को पूरा करना होगा, प्रशासन ने अभी से इसके लिए खाका तैयार करना शुरू कर दिया है। बाजारों में कोरोना काल की वजह से रौनक गायब है लिहाजा अब दुकानदार भी अभी प्रशासनिक आदेश का इन्तेजार कर रहे है। दिवाली पर प्रदूषण वाले पटाखे न जलाए जाए इसके लिए भी सरकार लगातार अपील कर रही है।

साहब कैसे निकले सुबह शाम रहता है भीषण जाम

फल मंडी से लेकर देवरिया बाईपास रोड पर हालत खस्ता

गोरखपुर/महानगर में जाम को लेकर जिला प्रशासन व ट्रैफिक विभाग काफी अपना विभिन्न निस्तारण को लेकर बैठक कर संबंधित अधिकारी कर्मचारियों को निर्देश देते हैं। और शत-प्रतिशत पालन कराने के लिए कटिबद्ध का योजना बनाते हैं हालांकि शहर में कैमरे भी लग गए फिर भी जाम से निजात नहीं मिल पाता है यह एक प्रश्न चिन्ह बन गया है चौराहों पर ट्रैफिक विभाग की पुलिस कर्मी भी रहते हैं ।जो जाम छुड़ाने के लिए मेहनत करते हैं उसी के नीचे चौराहों पर पुलिस चौकियां भी स्थापित है कर्मचारी भी तैनात हैं लेकिन समस्या उसी तरह बरकरार है। वही प्रत्येक चौराहों पर टेपो चालक फोर व्हीलर बालों का कब्जा रहता है जिससे नागरिकों का चलना मुश्किल है।

वैसे प्रदेश सरकार ने पैडलेगंज से लेकर नौसड के बीच में 6 लेएन की सड़क बनने की घोषणा भी हो गई है प्रस्तावित योजना के तहत प्रथम चक्र में निशानदेही लगअव, द्वितीय चक्र में गैस पाइपलाइन का कार्य विभिन्न स्थानों पर चल रहा है उसी बीच में पटरी पर टेंपो चालक फोर व्हीलर गाड़ियां इस कदर खडी रहती हैं पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है हालांकि ट्रैफिक विभाग की बात करें तो एक अभियान एक हफ्ता में शुरू किया गया था। जो काले टेंपो के विरुद्ध कार्यवाही क्या मामला प्रकाश में आया था। लेकिन सिकटौर से चलने वाले टेंपो रुस्तमपुर पाली के बीच में फल मंडी, ट्रांसपोर्ट नगर टेंपो चालकों का कब्जा रहता है और रोड पर चलने वाले फोर व्हीलर गाड़ी वाहन मालिकों का भी मनचाहा स्थान पर खड़ा करके गायब रहते हैं रोड की पटरी की अगर बात करें तो पता ही नहीं चलता है कि किस तरह की गाड़ी रोडू पर पड़ी रहती है। अगर सही सलामत उतर गए तो घर पहुंच जाएंगे, अगर कहीं चोट आ गई तो हॉस्पिटल पहुंच जाएंगे। आदत सी पड़ गई है प्रशासन को जब कोई वीआईपी कार्यक्रम होता है तो सड़क खाली करा दी जाती है बाकी दिनों में नागरिकों को झेलने के लिए छोड़ दी जाती है। यह नजारा देवरिया बाईपास से रुस्तमपुर फल मंडी के आसपास देखने को मिल जाएगा। इतना है कि पटरी पर लगने वाले वाहनों के खिलाफ प्रशासन क्या कार्रवाई करता है साथ ही ट्रैफिक विभाग इनके प्रति क्या कानूनी कार्रवाई का अभियान चलाएगा यह तो आने वाला समय ही बताएगा।

कोविड-19 से 25 और लोगों की मौत

1979 नए मामले सामने आये

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में पिछले 24 घंटे के दौरान कोविड-19 संक्रमित 25 और लोगों की मौत हो गई तथा 1979 नए मरीजों में इस संक्रमण की पुष्टि हुई। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अमित मोहन प्रसाद ने बृहस्पतिवार को बताया कि पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य में कोविड-19 से 25 और मरीजों की मौत हो गई। इसके साथ ही राज्य में अब तक इस वायरस से मरने वालों की कुल संख्या बढ़कर 6983 हो गई है। उन्होंने बताया कि पिछले 24 घंटे के दौरान 1979 नए मरीजों में कोविड-19 संक्रमण की पुष्टि की गई जबकि इसी दौरान 2465 मरीज पूरी तरह ठीक भी हुए हैं। प्रदेश में मरीजों के ठीक होने की दर 93.33 प्रतिशत हो गई है।

प्रसाद ने बताया कि राज्य में अब तक कोविड-19 संक्रमण के 477895 मामले आ चुके हैं जिनमें से 446054 मरीज पूरी तरह ठीक भी हो चुके हैं। राज्य में इस वक्त 24858 मरीजों का इलाज किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि बुधवार को राज्य में 138027 नमूनों की जांच की गई। प्रदेश में अब तक एक करोड़ 45 लाख से ज्यादा नमूनों की जांच की जा चुकी है।

बीजेपी में बूथ कार्येकर्ता बन सकता सीएम और पीएम लेकिन द्वसरे दल में नही:वीरेंद्र

लखनऊ, संवाददाता। भाजपा कार्यकर्ताओं के निष्ठा, त्याग, समर्पण, लगन, कठिन परिश्रम और समाज में बिना किसी भेदभाव के सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के फल स्वरूप 18 करोड़ से अधिक सदस्यों वाला विश्व का सबसे बड़ा राजनैतिक दल बना है। केन्द्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लगातार दो बार से पूर्ण बहुमत की सरकार, उ0प्र0 सहित कई प्रदेशों में प्रचंड बहुमत की भाजपा की सरकारें है। यह बातें आज यू.पी.सी.एल.डी.एफ के चेयरमैन वीरेन्द्र कुमार तिवारी ने लखनऊ जिले के निगोहां मण्डल में प्रशिक्षण कार्यशाला के प्रथम सत्र के उद्‌घाटन में भारतीय जनता पार्टी एवं हमारा दायित्व विषय पर उद्बोधन के दौरान कही। उन्होंने कहा कि भाजपा में अनवरत कार्य करते-करते एक बूथ अध्यक्ष प्रदेश का मुख्यमंत्री, देश का प्रधानमंत्री तथा पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष भी बन सकता है।जबकि अन्य दलों में जातिवाद, परिवारवाद का बोल-बाला है जहाँ परिवार का मुखिया या पुत्र, भाई, बहन या भतीजा ही इन पदों पर बैठ सकता है। श्री तिवारी ने कहा कि भाजपा राष्ट्रवादी विचार धारा पर आधारित एक संगठन है। हम सभी को संगठन में मिले छोटे-बड़े दायित्व का निर्वहन जिम्मेदारियों के साथ करना चाहिये। इस अवसर पर महिला मोर्चा की क्षेत्रीय उपाध्यक्षा एवं मण्डल प्रभारी श्रीमती निशा सिंह, मण्डल अध्यक्ष संतोष पाण्डेय, पूर्व मण्डल अध्यक्ष एवं सेक्टर प्रभारी सुरेन्द्र दीक्षित, मण्डल महामंत्री आशुतोष शुक्ला सहित सेक्टर प्रभारी,सेक्टर संयोजक सहित भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

रसूले पाक सल्ल0 की सुन्नतों को जिन्दा करने का कोशिश करें: खालिद रशीद

लखनऊ, संवाददाता। इस्लामिक सेन्टर आफ इण्डिया फरंगी महल के अन्र्तगत दारूल उलूम निजामिया फरंगी महल की जामा मस्जिद ईदगाह लखनऊ में 12 दिवसीय ''जलसा सीरतुन्नबी स0 व सीरत-ए-सहाबा रजि और तहफ्फुजे शरीअत'' के जलसे कोविड-19 के प्रोटोकाल को देखते हुए किसी प्रकार की भीड़ जमा न करने की वजह से आन लाइन ही रिले किये जा रहे हैं। इस अवसर पर ग्यारहवें जलसे को सम्बोधन करते हुए इमाम ईदगाह व काजी शहर लखनऊ मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली चेयरमैन इस्लामिक सेन्टर आफ इण्डिया ने कहा कि रसूल-ए-पाक सल्ल0 का तश्रीफ लाना तमाम दुनिया वालों के लिए खुदा पाक की तरफसे बहुत बड़ा उपहार है। मुबारक है वह लोग जो इस पवित्र और बड़े उपहार की कदर करते हैं और अपनी आखिरत सवांरते हैं। उन्होने कहा कि रसूल-ए-पाक सल्ल0 की लायी हुई शरीअत में पूरी इंसानियत की खुशहाली है। मौलाना फरंगी महली ने कहा कि रसूल-ए-पाक सल्ल0ने जिस तरह अकायद, इबादत व अखलाक की शिक्षा दी इसी तरह दुनिया के अन्य मामलों के सिलसिले में भी हिदायतें दीं।

प्रदेश में अब तक 28690671 पशुओं को खुरपका-मुंहपका बीमारी का टीका लगाया गया

लखनऊ, संवाददाता। भारत सरकार के राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत प्रदेश के समस्त जनपदों में संचालित खुरपका-मुँहपका रोग का टीकाकरण अभियान में अब तक प्रदेश में 28690671 पशुओं को खुरपका मुंहपका बीमारी का टीका लगाया जा चुका है। कार्यक्रम के संचालन के लिए क्षेत्रीय स्तर पर टीकाकरण कार्यकर्ता को प्रति टीका तीन रूपये की दर से पारिश्रमिक, मानदेय का भुगतान किया जायेगा। टीका लगवाने हेतु पशु के कान में छल्ला लगवाना अनिवार्य है। इस टीकाकरण कार्यक्रम में सभी पशुओं एवं पशुमालिको का पूर्ण विवरण एन0डी0डी0बी0 के इनाफ पोर्टल पर अंकित किया जा रहा है। यह जानकारी आज यहां पशुपालन विभाग के निदेशक, डा0 यू0पी0सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि प्रदेश में संचालित टीकाकरण कार्यक्रम का निरन्तर अनुश्रवण किया जा रहा है। टीकाकरण कार्यक्रम की सघन निगरानी के उद्देश्य से जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला मानीटरिंग यूनिट का भी गठन किया गया है। प्रदेश के 52036426 पशुओं (गोवंशीय एवं महिषवंशीय) को टीका पशुपालक के द्वार पर निःशुल्क लगाया जायेगा। डा0 यू0पी0सिंह ने बताया कि प्रमुख सचिव, पशुधन, उ0प्र0 शासन द्वारा निर्देश दिया गये हैं कि टीकाकरण कार्यक्रम में किसी भी स्तर पर वैक्सीन के रख-रखाव में कोल्ड चेन न टूटने पाये एवं भारत सरकार द्वारा छ।क्ब्च् अन्तर्गत जारी की गयी गाइडलाईन का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित किया जाय और छ।क्ब्च् एक राष्ट्रीय महत्ता का कार्यक्रम है, इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता न करते हुए पूरी निष्ठा व लगन से इस कार्यक्रम को सफल बनाया जाये। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिनांक 11 सितम्बर, 2019 को पण्डित दीन दयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो अनुसंधान, संस्थान, मथुरा में किया गया था। छ एडीसीपी अन्तर्गत सम्पूर्ण भारत वर्ष के 100 प्रतिशत पशुओं का खुरपका-मुँहपका एवं ब्रूसेल्लोसिस रोग का टीकाकरण किया जाना है।

प्रदेश में अब तक करीब 3.91 लाख मीट्रिक टन हुई धान खरीद

लखनऊ, संवाददाता। खरीफ क्रय वर्ष 2020-21 के तहत मूल्य समर्थन योजना के अन्तर्गत प्रदेश में खोले गए धान क्रय केन्द्रों के माध्यम से, अब तक 391271.51 मी0टन धान किसानों से सीधे क्रय किया गया। गत वर्ष इस अवधि में 75283.30 मी0टन धान की खरीद की गयी थी। पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में इस वर्ष लगभग 05 गुना से अधिक खरीद हुई है। इस योजना से अब तक 57346 किसान लाभान्वित हुए हैं तथा किसानों को 371.921 करोड़ रूपये का भुगतान उनके खातों में सीधे किया गया है। खाद्य एवं रसद विभाग से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार आज 38633.11 मीट्रिक टन धान की खरीद हुई है। धान खरीद वर्ष 2020-21 में मूल्य समर्थन योजना के अन्तर्गत इस वर्ष धान का समर्थन मूल्य धान कॉमन रू-1868 प्रति कुन्तल व ग्रेड-ए रू-1888 प्रति कुन्तल निर्धारित किया गया है।

मोहम्मद साहब के जन्मदिन के उपलक्ष में किया फल का वितरण

लखनऊ, संवाददाता। दुनिया के लिए रहमत बनकर आए हजरत मोहम्मद मुस्तफा सल्लल्लाहो अलेही वसल्लम की यौमे पैदाइश की पूर्व संध्या पर कुरैश वेलफेयर फाउंडेशन की जानिब से नादान महल रोड स्थित मस्जिद तकवीयतुल ईमान के बाहर गुरुवार की सुबह मस्जिद के इमाम मौलाना जैनुल आबदीन फाउंडेशन के अध्यक्ष शहाबुद्दीन कुरैशी सृजन भारत के अध्यक्ष वरिष्ठ समाजसेवी डॉक्टर उमंग खन्ना ने फल वितरण कर लोगों को मोहम्मद साहब के जन्मदिन की बधाई दी। इस अवसर पर कुरैश वेलफेयर फाउंडेशन की जानिब से हजारों लोगों को फल वितरण किया गया। आपको बता दें कि इस बार कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए सरकार द्वारा जारी गाइडलाइन के अनुसार किसी भी तरह के जुलूस निकालने पर पूरी तरह से पाबंदी है इसके अलावा भीड़भाड़ वाले समस्त कार्यक्रमों पर भी पाबंदी है हालांकि गाइड लाइन के अनुसार मोहम्मद साहब के जन्म दिवस के अवसर पर मिलाद की महफिल आयोजित की जा सकती है परंतु महफिले मिलाद के आयोजन के मौके पर सरकार द्वारा जारी की गई गाइडलाइन का पूरी तरह से पालन करना अनिवार्य बनाया गया है। मोहम्मद साहब के जन्मदिन की पूर्व संध्या पर पुराने लखनऊ में बाजारो और मस्जिदों को दुल्हन की तरह सजाया जाता था लेकिन इस बार पहले की तरह का कोई भी नजारा नजर नहीं आ रहा है क्योंकि आज गुरुवार का दिन यानी कि बाजार बंदी का दिन है इसलिए स्थानीय पुलिस ने साप्ताहिक बंदी को कड़ाई से लागू कराया जिससे मोहम्मद साहब के जन्मदिन की पूर्व संध्या पर गुलजार रहने वाला पुराना लखनऊ सुनसान इलाके में तब्दील हो गया शुक्रवार को मोहम्मद साहब का जन्मदिन सादगी के माहौल में मनाया जाएगा इस उपलक्ष में ना तो मदेह सहाबा का जुलूस निकालने की इजाजत दी गई है और ना ही जुलूस ए मोहम्मदी ही निकालने की इजाजत दी गई है संवेदनशील माने जाने वाले पुराने लखनऊ को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है। पुराने लखनऊ के चप्पे-चप्पे पर पुलिस का पहरा है पुलिस के जवान मुस्तैदी के साथ अपनी ड्यूटी को अंजाम देते हुए चप्पे-चप्पे पर नजर रख रहे हैं। इस दौरान पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भी हालात का पूरी तरह से जायजा ले रहे हैं।

इण्टरनेशनल मीडिया कान्फ्रेन्स का ऑनलाइन आयोजन योगी आदित्यनाथ होंगे मुख्य अतिथि

लखनऊ, संवाददाता। सिटी मोन्टेसरी स्कूल के तत्वावधान में 'इण्टरनेशनल मीडिया कान्फ्रेन्स' का ऑनलाइन आयोजन कल 30 अक्टूबर, शुक्रवार को प्रातः 10.00 बजे से किया जा रहा है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस अवसर पर मुख्य अतिथि होंगे। उक्त जानकारी सी.एम.एस. के मुख्य जन-सम्पर्क अधिकारी हरि ओम शर्मा ने दी है। श्री शर्मा ने बताया कि यह सम्मेलन 'इन्श्योरिंग जेण्डर जस्टिस' अर्थात लैंगिक न्याय सुनिश्चित करने के महत्वपूर्ण व सम-सामयिक विषय पर आयोजित है, जिसमें देश-विदेश के प्रख्यात मीडिया प्रमुख, पत्रकार, मनोवैज्ञानिक, शिक्षाविद् आदि समाज में लैंगिक समानता स्थापित करने, लैंगिक न्याय सुनिश्चित करने एवं महिलाओं पर होने वाले अपराध व हिंसा पर अंकुश लगाने पर अपने सारगर्भित विचार प्रस्तुत करेंगे तथापि लैंगिक स्तर पर व्याप्त सामाजिक विसंगतियों के निराकरण पर मीडिया, समाज तथा स्कूल की भूमिका को उजागर करेंगे।

माकपा ने प्रदेश सरकार को दलित विरोधी सरकार कहा

लखनऊ, संवाददाता। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) उत्तर प्रदेश राज्य सचिव मण्डल ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से प्रदेश सरकार को दलित विरोधी सरकार कहा है। पार्टी का मानना है कि इस सरकार में जहां दलितों के प्रति हिंसा व दलित महिलाओं के प्रति बलात्कार की घटनायें बढ़ी हैं, वहीं पर उनको उनकी जमीनों से बेदखल किया जा रहा है तथा उनके घरों को उजाड़ा जा रहा है। दिनांक 28.10.2020 को प्रयागराज जिले के बारा तहसील के देवखरिया ग्राम में 18 दलित परिवारों के घर जेसीबी लगाकर पुलिस व पीएसी की छाया में जमींदोज कर दिया गया है। उक्त भूमि का बाकयदा 1989 में दलितों के नाम पट्टा हुआ था और बाद में उन्हें असंक्रमणीय भूमिधर तथा 2009 में संक्रमणीय भूमिधर घोषित किया गया था। उन्हीं जमीनों पर वे विधिवत मकान बनाकर 1989 से ही रह रहे थे। संपूर्ण उत्तर प्रदेश में हजारों तालाबों अन्य सार्वजनिक संपत्तियों, जंगलों पर अनाधिकृत रूप से दबंगों का कब्जा है। उन पर बड़े बड़े मकान, बिल्डिंगें, प्रतिष्ठान और पेट्रोल टंकी तक चल रही हैं। शिकायतों के बावजूद प्रशासन इन पर कोई कार्यवाही नहीं करता है। इसी तरह की घटनायें प्रदेश के आजमगढ़, मऊ, मिर्जापुर, सोनभद्र, कुशीनगर आदि तमाम जिलों में भी हो रही हैं। ऐसी जमीनें जो दलितों से खाली भी कराई जा रही हैं, उन पर दबंग लोग कब्जा कर ले रहे हैं और सरकार उनके कब्जे को वैध घोषित कर दे रही है। गरीब, दलित, खानाबदोस जिंदगी जीने के लिए विवश किये जा रहे हैं। माकपा राज्य सचिव मण्डल ने सरकार के दलित विरोधी रूख की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए मांग की है कि सरकार इलाहाबाद के दलितों जिन्हें जिला प्रशासन ने बेघर कर दिया है, उन्हें तत्काल पट्टे पर भूमि आवंटित करते हुए उन्हें प्रधानमंत्री आवास अथवा इंदिरा आवास बनवाकर आवंटित करे तथा उनकी संपत्तियों की क्षति के बदले में उन्हें मुआवजा भी दिलाया जाय।

प्रियंका ने योगी को लिखा पत्र,बुनकरों का उत्पीड़न बंद करे योगी सरकार

लखनऊ, संवाददाता। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने बुनकरों की समस्या को लेकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखा है और सरकार से बुनकरों के हितों की रक्षा की मांग की है। वाड्रा ने गुरूवार को ट्वीट किया '' दुनिया में बनारस का नाम मशहूर करने वाले बुनकरों को फ्लैट रेट पर बिजली न देना, नए रेट पर बिजली बिल वसूली के लिए उन्हें प्रताड़ित करना बेहद गलत है। भाजपा सरकार को अविलंब फ्लैट रेट पर बिजली व पुराने दर पर बकाया भुगतान लागू कर बुनकरों की रक्षा करनी चाहिए। कांग्रेस महासचिव ने पत्र में लिखा है '' पिछले कुछ समय से वाराणसी के बुनकर हताश और परेशान है। पूरी दुनिया में मशहूर बनारसी साड़ियों के बुनकरों के परिवार दाने दाने को मोहताज हो गये हैं। कोरोना महामारी और सरकारी नीतियों के चलते उनका पूरा कारोबार चौपट हो गया है जबकि उनकी हस्तकला ने सदियों से उत्तर प्रदेश का नाम रोशन किया है। सरकार को इस कठिन दौर में उनकी सहायता करनी चाहिए। उन्होंने लिखा'' यूपीए सरकार ने 2006 में बुनकरों के लिये फ्लैट रेट पर बिजली देने की योजना लागू की थी मगर आपकी सरकार यह योजना समाप्त करके बुनकरों के साथ नाइंसाफी कर रही है। मनमाने बिजली के रेट के खिलाफ हड़ताल पर गये बुनकरों को सरकार ने बातचीत के लिये बुलाया और आश्वासन दिया कि उनकी मांगे मान ली जायेंगी मगर समस्यायों के समाधान का कोई प्रयास नहीं हुआ। वाड्रा ने मांग की कि बुनकरों को फ्लैट रेट पर बिजली देने की योजना को बहाल किया जाये। फर्जी बकाया के नाम पर बुनकरों का उत्पीड़न बंद किया जाये और बुनकरों के बिजली कनेक्शन न काटें जायें बल्कि जो कनेक्शन काटे गये हैं, उन्हे तत्काल बहाल किया जाये।

ऋषि के कमान संभालने के बाद हिन्दू महासभा, उ0प्र0 में बढ़ी सक्रियता

राजनीतिक गलियारे में अपनी धमक का अहसास कराने में जुटी पार्टी

लखनऊ, संवाददाता। अखिल भारत हिन्दू महासभा, उत्तर प्रदेश में लगभग बारह वर्षो बाद प्रदेश अध्यक्ष के बदलाव के बाद राज्य में पार्टी में एक बार फिर जान वापस लौटने लगी है। नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी प्रतिदिन कार्यकर्ताओं के साथ बैठकें कर रहे है, और लोगों को संगठन में जोड़ने का काम तेजी से कर रहें है। यहीं नहीं बल्कि पूरे प्रदेश में कार्यकर्ताओं की बैठकों के कार्यक्रम के साथ अपने एवं अन्य प्रमुख नेताओं के दौरे के कार्यक्रम तैयार किये जा रहे है, ताकि संगठन की सक्रियता में तेजी लायी जा सके। इसके अलावा प्रदेश अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी प्रदेश में वर्षो से निष्क्रिय पड़ी विभिन्न इकाईयों में जान फूंकने में लगे हुये है, जिसका परिणाम यह है कि कई इकाईयां हाथ से हाथ मिलाकर सक्रिय भूमिका में आ गयी है और कई ऐसी इकाईयां जो पूरी तरह से शून्यता में थी वहां पार्टी को आगे बढ़ाने के लिये में नये सदस्यों को पार्टी के कार्यकलापों के बारे में प्रशिक्षित कर जिम्मेदारियां सौंपी जा रही है। पार्टी सूत्रों की मानें तो हिन्दू महासभा भविष्य में राजनीतिक गलियारे में अपनी ताकत का अहसास कराने के लिये हजारों की संख्या में सड़कों पर न सिर्फ उतारने की तैयारी भी कर रही है बल्कि आगामी विधानसभा चुनाव में मजबूत दावा करने की योजना बना रही है। माना जा रहा है कि हिन्दू महासभा की अयोध्या में आगामी 20 दिसम्बर को राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में एवं एक दिन पूर्व 19 दिसम्बर को उत्तर प्रदेश के अधिवेशन के बाद यह कदम उठाया जायेगा। पार्टी के एक पुराने नेता भी मानते है कि ऋषि त्रिवेदी के हिन्दू महासभा उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष बनने के बाद जो सक्रियता और पार्टी के कार्य में तेजी देखी जा रही है, उससे पुराने हिन्दु महासभाईयों में एक बार फिर जोश उभर कर सामने आने लगा है।

महापौर ने किया गुरुनानकदेव जी चौराहा का शिलान्याश

लखनऊ, संवाददाता। आलमबाग स्थित वीआईपी रोड पर पकरी पुल चौराहे का काम आज से गुरुनानकदेव जी चौराहा कर दिया गया, गुरुनानक देव जी के प्रकाश पर्व को समर्पितकरते हुए महापौर संयुक्ता भाटिया ने गुरूवार को जिसका विविध शिलान्यस किया, अब यह चौराहा गुरुनानक देव जीके नाम से जाना जायेगा बहुत समय के बाद राजधानी में किसी स्थान का नाम गुरुनानक देव जीके नाम पर रखा गया हैं। शहर की सभी सिख संगद इस कार्य के लिए पार्षद सरबजीत सिंह का धन्यवाद करती हैं। साथ ही गुरुद्वारा आलमबाग व गुरुद्वारा लालभाई जी की प्रबंधक कामेटी व सांगत समूह का प्रयास भी सराहनीय हैं।

अभिषेक मिश्रा का मायावती पर पलटवार लोकसभा चुनाव में 0 पर थी बसपा, सपा गठबंधन से मिली 10 सीटें

लखनऊ, संवाददाता। उपचुनाव व उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 को लेकर प्रदेश में सियासत तेज हो गई है। वहीं बहुजन समाज पार्टी सुप्रीमो मायावती के भाजपा को समर्थन देने के बयान पर सपा ने उन्हें भाजपा की बी पार्टी कहा है तो वहीं सपा नेता व पूर्व मंत्री अभिषेक मिश्र ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। मंत्री अभिषेक मिश्र ने बृहस्पतिवार को मायावती की प्रेस कांफ्रेंस के बाद कहा कि मायावती और बसपा के बारे में पहले जो चर्चा होती रही है उस पर मुहर लगा दी है। उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि अब बसपा और वह खुद भाजपा की बी टीम के तौर पर काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी अपने हर रिश्तों व संबंधों का निर्वाह करना जानती है। गठबंधन का जो धर्म था उसका हमने पूरी ईमानदारी से पूरी सज्जनता और पूरी निष्ठा के साथ पालन किया। हमारे सारे नेता, सारे कार्यकर्ता और शीर्ष नेतृत्व चुनाव प्रचार में लगा।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से दिया गया भ्रष्टाचार उन्मूलन का सन्देश

लखनऊ, संवाददाता। सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल में प्रत्येक दिवस पर आयोजित की जाने वाली विविध गतिविधियों के अंतर्गत आज मंडलीय कार्यालय के प्रांगण में उपस्थित कर्मचारियों को जागरूक करते हुए भ्रष्टाचार उन्मूलन के सन्देश का प्रचार प्रसार करते हुए एक नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति की गई एवं इस प्रभावी प्रस्तुति के लिए पूरी टीम को नगद पुरूस्कार की घोषणा करके उनका उत्साहवर्धन किया, इसके अतिरिक्त सतर्क भारत समर्थ भारत की थीम पर आधारित एक पैनल वार्ता का भी आयोजन किया गया एवं डीजल शेड में कर्मचारी दंड नियमावली पर आधारित एक परिचर्चा का आयोजन किया गया, इस सप्ताह विशेष पर आयोजित की जाने वाली प्रतियोगिताओं के अंतर्गत कर्मचारियों के मध्य एक स्लोगन प्रतियोगता का भी आयोजन किया गया।

निलंबित बसपा विधायकों ने कहा

उनकी किसी अन्य पार्टी में शामिल होने की कोई योजना नहीं

लखनऊ, संवाददाता। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती द्वारा निलंबित किये गये बसपा के बागी विधायकों ने बृहस्पतिवार को कहा कि न तो उन्हें निष्कासित किया गया है और न ही उनकी किसी अन्य पार्टी में शामिल होने की कोई योजना है। बागी विधायकों में शामिल असलम राइनी ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, ''यह पार्टी अध्यक्ष का विशेषाधिकार है और उन्हें जो सही लगे करें लेकिन हम किसी अन्य पार्टी में शामिल होने नहीं जा रहे हैं।'' बसपा अध्यक्ष द्वारा निलंबित किये जाने के बाद पार्टी के सात विधायकों की एक बैठक आयोजित की गई। बसपा अध्यक्ष मायावती ने सुबह ही सात विधायकों असलम अली (धौलाना-हापुड), असलम राइनी (भिनगा-श्रावस्ती), मुजतबा सिददीकी (प्रतापपुर-प्रयागराज), हाकिम लाल बिंद (हंडिया-प्रयागराज), सुषमा पटेल (मुंगरा बादशाहपुर- जौनपुर), हरगोविंद भार्गव (सिधौली-सीतापुर) और वंदना सिंह (सगड़ी-आजमगढ़) को बसपा से निलंबित कर दिया। विधायक हाकिम बिंद ने कहा, ''मायावती हमारी नेता हैं और उनका फैसला हमें स्वीकार्य और स्वागत योग्य है। हमें निष्कासित नहीं, निलंबित किया गया है और हम और 15 महीने के लिए विधायक हैं। हमें मायावती, भाजपा या समाजवादी पार्टी, किससे मिलना है, यह केवल समय बताएगा।''सपा प्रमुख अखिलेश यादव से मिलने से इनकार करते हुए बिंद ने कहा कि उन्होंने और अन्य्य सदस्यों ने नामांकन पत्रों पर हस्ताक्षर नहीं किये थे इसलिए हलफनामा देकर विरोध किया। यह पूछे जाने पर कि क्या वह अपने हस्ताक्षर के दुरुपयोग के लिए कानूनी कार्रवाई करेंगे तो बिंद ने कहा कि वे तभी कानूनी कार्रवाई करेंगे जब बसपा उनके खिलाफ कोई कार्रवाई करेगी। विधायक सुषमा पटेल ने अखिलेश यादव से मिलने की बात स्वीकार की और पीटीआई-भाषा से बातचीत में कहा, ''मैं निलंबन का स्वागत करती हूं और हमने कोई अपराध नहीं किया है।'' पटेल ने कहा कि राजनीति में लोग एक दूसरे से मिलते जुलते रहते हैं और राजनीति में किसी नेता से मिलना जुलना अपराध नहीं है। सुषमा पटेल ने कहा, ÷मैंने न तो किसी व्हिप का उल्लंघन किया है और न ही क्रॉस वोटिंग की है। मेरी किसी पार्टी में शामिल होने की कोई योजना नहीं है। निर्दलीय उम्मीदवार प्रकाश बजाज से तालमेल के आरोपों को खारिज करते हुए विधायक असलम अली ने कहा कि बसपा के कुछ नेताओं को मौजूदा सरकार से लाभ हुआ है।

मैक्रोन का पैगंबर हजरत मुहम्मद का अपमान करना निंदनीय और असहनीय: कल्बे जवाद नकवी

लखनऊ, संवाददाता। मजलिसे ओलमाए हिंद के महासचिव मौलाना कल्बे जवाद नकवी ने आज फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रोन द्वारा पैगंबर हजरत मोहम्मद मुस्तफा (स0अ0व0) के अपमान की कडी निंदा करते हुए बयान जारी किया। मौलाना ने कहा कि फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रोन का बयान आया है कि फ्रांस पवित्र पैगंबर के कार्टून बनाने की प्रक्रिया को जारी रखेगा, निंदनीय और असहनीय बयान है। यूरोप जो खुद को धर्मनिरपेक्ष और उदारवादी कहता है यह उसकी मुनाफिकाना नीति का सबूत है। मौलाना ने कहा कि मैक्रॉन ने पहले भी कहा है कि इस्लाम वैश्विक संकट से पीड़ित है, अगर ऐसा है तो इस्लाम यूरोप में तेजी से क्यों फैल रहा है। मैक्रोन के बयान उनकी बीमार मानसिकता का प्रतीक हैं और वह लोगों को मुसलमानों के खिलाफभड़काना चाहते हैं। मौलाना ने कहा कि जो लोग पैगंबर हजरत मोहम्मद के चरित्र और उनकी सीरत से अनजान हैं, एसा निन्दात्मक बयान दे सकते हैं। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इस्लामोफोबिया का शिकार हैं और अपनी चरमपंथी मानसिकता का इजहार कर रहे हैं। मौलाना ने कहा कि यूरोप इस्लामोफोबिया का शिकार है। युवा पीढ़ी मैक्रोन जैसे इस्लामोफोबिया से पीड़ित लोगों के शब्दों पर कम ध्यान देती है, युवा पीढ़ी अनुसंधान और अध्ययन में रूची रखती है और जिसने भी इस्लाम और पैगंबर हजरत मोहम्मद की सीरत और उनकी जिंदगी का अध्ययन किया है वह लोग प्रभवित हुए बिना नही रह सके।मौलाना ने कहा कि फ्रांसीसी राष्ट्रपति खुद की थोड़ी सीभी आलोचना बर्दाश्त नहीं कर सकते और अपने आलोचकों को जेल भेज देते है, लेकिन उन्होंने पैगंबर हजरत मोहम्मद का अपमान करके अपनी द्वैध नीति और बीमार मानसिकता का सबूत दिया है। फ्रांस के लोगों को इस संबंध में अपने राष्ट्रपति से सवाल करना चाहिए और उनके खिलाफप्रतिक्रिया देनी चाहिए क्योंकि मैक्रॉन की ये हरकतें अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के खिलाफ हैं। मौलाना ने कहा कि इस्लामी दुनिया मुस्लमान देशों की पाखंडी भूमिका का खामियाजा भुगत रही है।

कांग्रेस ने अनु टंडन को पार्टी से निकाला, लल्लू बोले पार्टी विरोधी गतिविधियों में थी शामिल

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने उन्नाव से पूर्व सांसद अनु टंडन को बृहस्पतिवार को कांग्रेस से छह वर्ष के लिए निष्कासित कर दिया। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने बताया कि अनु टंडन को पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में अनुशासन समिति ने छह वर्ष के लिए कांग्रेस से निष्कासित कर दिया है। उन्होंने कहा कि टंडन पिछले काफी समय से पार्टी के कार्यक्रमों में कोई रूचि नहीं ले रही थीं। इससे पहले टंडन ने सुबह कहा कि उन्होंने कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। अनु ने ट्विटर पर जारी एक बयान में अपना त्यागपत्र कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को भेजने की जानकारी दी। उन्नाव से पूर्व लोकसभा सदस्य ने यह दावा भी किया कि प्रदेश कांग्रेस के नेतृत्व से उन्हें कोई सहयोग नहीं मिल रहा था और कुछ लोगों द्वारा झूठा प्रचार चलाया जा रहा था तथा केंद्रीय नेतृत्व ने इस पर अंकुश लगाने के लिए कोई कदम नहीं उठाया।

मॉर्निंग वॉकर्स को करना होगा इंतजार अभी नहीं खुलेगा एनबीआरआई गार्डन

लखनऊ, संवाददाता। कोविड-19 के चलते राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान (एनबीआरआई) गार्डन मॉर्निंग वॉकर्स के लिए फिलहाल अभी कुछ समय और नहीं खुलेगा। यानी सुबह सैर के लिए यहां आने वाले लोगों को कुछ और समय इंतजार करना होगा। एनबीआरआई के मुख्य वैज्ञानिक एवं उद्यान प्रभारी डॉ. एस.के.तिवारी ने बताया कि कोविड-19 के चलते फिलहाल इस पर रोक लगाई गई है। उन्होंने कहा कि उद्यान में हर रोज 500 से 1000 लोग सामान्य दिनों में सैर के लिए आते थे। चूंकि सरकार द्वारा 200 से अधिक लोगों के एक जगह एकत्र होने पर प्रतिबंध है इसलिए उद्यान को मॉर्निंग वॉकर्स के लिए फिलहाल बंद ही रखने का फैसला लिया गया है। डॉ.तिवारी ने कहा गार्डन में लोगों को सीमित संख्या में ही प्रवेश देने कि फिलहाल कोई व्यवस्था लागू नहीं हो सकती है। ऐसे में एक बार गार्डन खोलने पर लोगों को रोकना असंभव होगा।यह सरकार द्वारा जारी प्रोटोकॉल का भी उल्लंघन होगा। उन्होंने कहा सैर के लिए आने वाले ज्यादातर लोग वरिष्ठ नागरिक होते हैं जिनके लिए प्रोटोकॉल में अभी भी पाबंदी है। ऐसे में किसी तरीके का जोखिम उठाना संभव नहीं है।डॉ.तिवारी ने कहा कि गार्डन में वॉक के लिए आने वाले नागरिक शौचालय का भी प्रयोग करते हैं। कई लोग दातून करते हैं और इधर-उधर थूकते भी हैं। इतनी बड़ी संख्या में आने वालों में किसी को संक्रमण है या नहीं यह भी पता लगाना मुश्किल है। वहीं कौन बाहर से यात्रा करके आया है इसकी भी जानकारी जुटाना संभव नहीं है।

नहरों को पूरी क्षमता से चलाने के लिए सिल्ट सफाई अभियान युद्धस्तर पर जारी

लखनऊ, संवाददाता। नहरों के संचालन के दौरान खरीफफसल में भारी मात्रा में सिल्ट आती है जो अल्पिकाओं एवं राजवाहों की तली में जमा हो जाती है। हर साल इसकी सिल्ट सफाई कराकर नहरों की क्षमता मौलिक रूप में लायी जाती है। जिससे रबी की फसल में माइनर एवं राजवाहें अपनी पूरी क्षमता से चलाये जा सके और सिंचाई की सुविधा किसानों को मिल सके। सिंचाई एवं जलसंसाधन विभाग द्वारा पिछले साल रबी 1427 फसली में 45384.6 किमी0 तथा इस वर्ष खरीफ1428 फसली में कुल 1187.38किमी सिल्ट सफाई करायी गयी है, जो अब तक सबसे अधिकतम् है।

मायावती ने कहा-सपा को हराने के लिए बीजेपी को देंगे वोट

लखनऊ, संवाददाता। राज्यसभा चुनाव से पहले बसपा के 7 विधायक बगावत करके सपा में चले गए। पार्टी में सेंधमारी से नाराज बसपा सुप्रीमो मायावती ने वीरवार को प्रेस कांफ्रेंस कर समाजवादी पार्टी पर बड़ा हमला बोला। मायावती ने कहा सपा को हराने के लिए अगर बीजेपी को भी वोट देना पड़े तो देंगे। मायावती के इस बयान पर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने इशारों में हमला बोला है। उन्होंने ट्वीट कर लिखा, '' इसके बाद भी कुछ बाकी है,प्रियंका गांधी ने ट्वीट के साथ मायावती का वीडियो भी शेयर किया है। जिसमें वह सपा को हराने के लिए बीजेपी समेत अन्य पार्टियों को वोट देने की बात कर रही हैं। गौरतलब है कि बीते दिनों लद्दाख में भारत और चीन के बीच चल रहे गतिरोध को लेकर मायावती ने केंद्र सरकार का समर्थन दिया था। मायावती ने ट्वीट कर कहा था हमारी पार्टी रक्षा एवं सुरक्षा से जुड़े मुद्दे पर हमेशा केंद्र सरकार के साथ खड़ी हुई है, चाहे किसी भी दल की सरकार रही हो।

अमेरिका के साथ द्विपक्षीय साझेदारी

जिस तरह से चीन की विस्तारवादी नीतियां रही हैं, उससे कई पड़ोसी देशों के साथ टकराव की स्थिति बनी है. भारत में भी चीन के विस्तारवाद को रोकने के लिए जनता में एक आम सहमति बनी है. आम जनता चाहती है कि चीन के खिलाफ भारत स्वयं को मजबूत करे. राजनीतिक विरोधी पार्टियां खासकर राष्ट्रीय दल भी इस बात को मानते हैं कि चीन के खिलाफ भारत को सख्त रुख अपनाना चाहिए. सभी चाहते हैं कि भारतीय सेना चीन के हर दुस्साहस का मुंहतोड़ जवाब दे. भारत ने पहले अमेरिका के साथ कुछ समझौते किये थे. उसमें बेका समझौता (बेसिक एक्सचेंज एंड कोऑपरेशन एग्रीमेंट) एक अहम कड़ी है. क्षेत्रीय हालातों के मद्देनजर ऐसे समझौते की बहुत जरूरत थी. यह बहुत ही उचित समय पर हुआ है, क्योंकि चीन जिस आक्रामकता से अपने प्रभाव को बढ़ा रहा था, उसके जवाब में यह आवश्यक हो गया था. इससे भारत को अपनी तैयारी बेहतर करने में मदद मिलेगी.

दूसरा, अब चीन को समझ में आ जायेगा कि विस्तारवाद की नीतियों से वह कामयाब नहीं हो सकता. पड़ोसी देशों खासकर पाकिस्तान, नेपाल को वे हमारे खिलाफ भड़का रहे हैं. पाकिस्तान में तो हमारी जमीन पर वे अवैध तरीके से दाखिल हो गये. चीन-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर और कई बांध वगैहरा बनाना शुरू कर दिया था. वैधानिक तौर पर वह हमारी जमीन है. इसके अलावा श्रीलंका, अफगानिस्तान, ईरान, म्यांमार समेत कई हमारे पड़ोसी देशों में चीन बढ़त बनाने में लगा हुआ है. उन्होंने भूटान को धमकाने की कोशिश की. डोकलाम में जमीन हड़पने की कोशिश की, तो भारत ने सख्त विरोध दर्ज कराया. करीब 70-75 दिनों तक गतिरोध बना रहा. वहीं, नेपाल जैसे देश चीनी पाले में चले गये.

हालांकि, नेपाल के रुख में परिवर्तन आया है. उन्हें अब पता चल गया है कि चीन उनका सगा नहीं है. बेका समझौता भारत के साथ-साथ एशिया के अन्य देशों के लिए भी जरूरी है. भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी सभी के हित में है. क्वाड के अंतर्गत

जो सैन्य अभ्यास हो रहे हैं, उससे एशिया में शांति बनी रहेगी. एक बात सबसे अहम है कि अगर अमेरिका वाकई में भारत के हितों को आगे बढ़ाना चाहता है, तो उसे हमारे पड़ोसी देशों के साथ थोड़ा सहूलियत बरतने की जरूरत है. ईरान और म्यांमार में उनके अपने प्रतिबंध लगे रहते हैं, जिससे भारत को बहुत नुकसान होता है और वहां चीन घुसता चला जाता है. हमने ईरान और अफगानिस्तान के साथ त्रिपक्षीय साझेदारी बनायी थी. लेकिन, वहां अपनी ढांचागत सुविधाओं जैसे रेल आदि का विस्तार नहीं कर सकते. चाबहार बंदरगाह पर तो उन्होंने हमें छूट दे दी है, लेकिन बाकी अन्य स्थानों के लिए सहूलियत नहीं है. हमने तेल, गैस की आपूर्ति बंद कर दी, तो ईरान अब वहां हमें हटाकर चीन को बुलाना चाहता है. चीन ने ईरान में 400 बिलियन डॉलर के निवेश की घोषणा की है. पड़ोसी देशों में पाकिस्तान ही हमारा दुश्मन नहीं है, बल्कि अन्य देशों को भी चीन हमारे खिलाफ खड़ा करने में लगा हुआ है. अमेरिका हमारे साथ दोस्ती कर रहा है, लेकिन हमारे पड़ोसी देशों में वह हमारी ही स्थिति को कमजोर कर रहा है. भारत-अमेरिका समझौते पर आयी पाकिस्तान की प्रतिक्रिया पर हमें ध्यान देने की जरूरत नहीं है. उनका मकसद ही केवल दुश्मनी बढ़ाना और आतंकवाद को फैलाना है. उसने तो यह भी कह दिया कि अमेरिका उसे खराब हथियार दे रहा था, चीन अब अच्छे हथियार दे रहा है. भारत को भी कुछ दिनों बाद समझ में आ जायेगा. पाकिस्तान के नेताओं ने कहा कि अमेरिका उनका बुद्धू बनाता रहा. हालांकि, पाकिस्तान का अपना एजेंडा है. एशिया के अन्य देशों- ताइवान, जापान, दक्षिण कोरिया के साथ चीन का विवाद है. दक्षिण चीन सागर में चीन के रुख पर कई देशों ने विरोध जताया है. वह हांगकांग और ताइवान के मसले पर दबाव बनाने की कोशिश करता रहा है. अगर भारत अमेरिका के साथ आगे बढ़ता है, तो इन देशों का भी मनोबल बढ़ेगा. हमें उनके साथ अपने रिश्ते मजबूत करने में मदद मिलेगी. चीन हिंद महासागर में अपने अड्डे बनाने में लगा हुआ है. पाकिस्तान, श्रीलंका, जिबूति के अलावा वह बांग्लादेश, म्यांमार, मालदीव, सेशेल्स, मॉरीशस तथा कई अफ्रीकी देशों में तेजी से बढ़ रहा है. हिंद महासागर में चीन को रोकने के लिए जरूरी है कि अमेरिका और जापान जैसे देश भारत के साथ आगे आयें, ताकि भारत अपनी प्रभावी भूमिका निभा सके. हिंद महासागर में भारत की स्थिति काफी मजबूत है. लेकिन, भारत की निवेश और प्रौद्योगिकी क्षमता बहुत सीमित हैं. इसका फायदा चीन उठा लेता है. लेकिन, अगर अमेरिका और जापान भारत के साथ मिलकर चलें, तो हमारे पास क्षमता है कि हम यहां नेतृत्व कर सकें. हमारे डॉक्टर, इंजीनियर, एक्सपर्ट, आइटी के लोग तकनीकी सहयोग और सक्रिय भूमिका अदा कर सकते हैं. अन्य देश भी जब भारत के साथ आयेंगे, तो चीन को आसानी से रोका जा सकेगा. बेका समझौता लागू होने के बाद स्थिति काफी मजबूत होगी, लेकिन इसे लागू करने की प्रक्रिया अभी जटिल है. भारत में मंजूरी की प्रक्रिया आसान है, लेकिन अमेरिका में सीनेट से मंजूर कराना होता है. वहां कांग्रेस में जाने के बाद हो सकता है कि कुछ शर्तें लगा दी जायें. अब यह निर्भर करता है कि उसे मंजूरी किस तरह से मिलती है. अभी वहां चुनाव हो रहे हैं.

भारत को संभलकर चलना है कि समझौता तो हो गया है, लेकिन अमेरिका उसे लागू किस तरह से करता है. वह भारत के हित में होगा या विरोध में, यह देखनेवाली बात होगी. क्योंकि, कई बार बाइडेन और कमला हैरिस सीएए और धारा-370 आदि के खिलाफ बोलते रहे हैं. ऐसे में हो सकता है कि इसे लेकर भी मतभेद उभरें. चुनाव के बाद देखना होगा कि आगे की राह क्या होती है. अगर अमेरिका भारत के साथी द्वपक्षीय साझेदारी को मजबूत करेगा, तो एशिया में भारत प्रभावी भूमिका निभा सकेगा और अन्य देशों के साथ ताल-मेल बेहतर हो सकेगा.

सम्पादकीय

रोशनी राहत भी देती थी, डराती भी थी

पांच अगस्त को दिल इतनी जोर से धड़का था कि छलक पड़ा था. कहते हैं न कि दिल की कटोरी गहरी होनी चाहिए ताकि न छलके, न दिखे. लेकिन कितनी गहरी? बहुत शोर तो हम भी सुनते थे दिल का, जब चीरा तो कतरा-ए खूं निकला. मतलब कितना गहरा? कतरा भर, और उस पर वार-पर-वार, घाव-पर-घाव. छलकना ही था. अब हिसाब करता हूं कि कितना जज्ब किया था. जब पूरे छह से ज्यादा वर्षों में एक दिन भी ऐसा नहीं गुजरा जब कोई नया घाव न लगा हो. एक भरा नहीं कि दूसरा, पहले से भी गहरा. उसे भी संभाला नहीं कि तीसरा. ऐसा कैसे कर सकते हैं आप? आपके हाथ में खंजर है तो कहीं दिल भी तो होगा? उसने कुछ नहीं कहा? सुनता हूं, खंजर वाले हाथ दिल की नहीं सुनते. इतने बौने होते हैं कि उनकी पहुंच दिल तक होती ही नहीं है. दिल भी कमबख्त सबका धड़कता कहां है? पांच अगस्त के बाद नींद कहीं खो गयी. रात के अंधेरे में कहां-कहां नहीं भटकता रहा, उन सब निषिद्ध स्थानों तक गया जहां संस्कारी लोग नहीं जाते. रात-रात भर, जागे-अधजागे कितना गलीज रौंदा, उनमें उतरा, पार करने की कोशिश की. कितने लोगों से मिला- अनायास, निष्प्रयोजन. कितने सवाल थे जो बहस में बदलते रहे और मैं फिर-फिर लौटता रहा. जानता था कि इनसे जवाब मिलेगा नहीं लेकिन जाता रहा बार-बार. हिंदुत्व की कोई ऐसी परिभाषा तो बने जिस पर मैं और वे दोनों टिक सकें? लेकिन ऐसा कुछ नहीं था सिवा गालियों और आरोपों के. वे सब आजादी के पहले के ही थे. कहीं कोई नयी सोच नहीं. सपनों में भी इतनी जड़ता? तभी कोविड ने दबोच लिया. अब नींद पर हमला और गहरा हो गया, वह कहीं गुफा में समा गयी. मैं रात-रात भर जागने और अंधेरे में घूमने लगा. अपने उस सफर में पहाड़ों पर भी गया, तलहटियों में भी उतरा. जीवन के साधक तो वहीं मिलते हैं न. लेकिन गांजा, भांग, चरस आदि से आगे की कोई साधना वहां मिली नहीं. लेकिन रोज रात यह सफर चलता रहा. नींद में नहीं, जाग्रत अवस्था में. रात भर घर में घूमता रहता था. हर कोने से एक नयी कहानी बनती थी जो खिंचती हुई कहां से कहां चली जाती थी. कितनी बार वहां भी गया, जहां सुनता था कि धड़कते दिल वाले नहीं जाते हैं. वहां सभी थे और सबके दिल धड़क रहे थे. भीड़ बहुत थी लेकिन टकराहट नहीं थी. सबसे स्थिर गांधी ही थे. नीचे से 'गांधी-गांधी' के आते हाहाकार को वे असंपृक्त भाव से महादेव देसाई की ओर बढ़ा दे रहे थे. मैंने महादेव भाई से पूछा, आप इनका क्या करते हैं? वे बोले, जहां से आता है, वहीं वापस भेज देता हूं. बापू ने कहा है, सब वापस कर दो. सबसे अलग, चुप और कुछ पछताते से जिन्ना थे. उनके पास भी पाकिस्तान से खबरें आती थीं, जिन्हें वे फाड़ फेंकते थे. मैंने टोका, आप कुछ कहते क्यों नहीं? हर बार एक ही जवाब, किससे कहूं? कौन सुनेगा? मैंने भी कहां किसी की सुनी थी. जयप्रकाश सबसे उद्विग्न थे. बोलते नहीं थे, लेकिन स्वगत कहते जाते थे. बापू ने चाहा था कि आजादी के बाद की दौड़ में सब बराबरी से दौड़ें लेकिन तब कांग्रेस अपनी अगली कतार छोड़ने को तैयार ही नहीं थी. बापू के बाद मैंने दूसरा रास्ता खोजा. कांग्रेस की अगली कतार ही खत्म कर दी. सवाल लोकतंत्र का था. अब सब बराबरी पर आ गये. मैंने चाहा कि लोकतंत्र की नयी दौड़ में सब एक साथ दौड़ कर अपनी जगह बनायें. लेकिन इन सबकी फिक्र कांग्रेस से आगे निकलने की नहीं, एक-दूसरे को दौड़ने नहीं देने की थी. सारा खेल बिगाड़ दिया इन निकम्मों ने. अब जिस गतालखाने में फंसे हैं वहां से निकलने की कोई युक्ति नहीं है इनके पास. मैंने कहा, कोई बताने वाला भी तो नहीं है. जयप्रकाश हर बार मुंह फेर लेते रहे, कोई बताने वाला नहीं होता है, खोजने वाला होना चाहिए. शेख अब्दुल्ला विचलित ही मिले. कश्मीर का जो हाल किया है, क्या ये उसे कभी काबू कर पायेंगे? कोई नहीं बोला भरी संसद में कि धारा 370 कश्मीर की संसद ने नहीं, भारत की संविधान सभा ने बनायी थी. भारत की संविधान सभा नहीं चाहती तो क्या यह धारा बनती और तब कश्मीर भारत को मिलता क्या? मैं देखता था कि जवाहरलाल बगल से निकल जाते थे, बोलते कुछ नहीं थे. यहां तक मैं पहुंचता कैसे था अब याद करता हूं तो उबकाई आती है. रक्त, पीव से सने रास्तों को पार कर जब मैं यहां पहुंचता, तो कहीं खड़े रहने की हालत नहीं होती थी. फिर अचानक दिल पर लगे घावों से रक्त बहने लगता था- दर्दविहीन रक्तस्राव. मैं वैसे ही इन सबके बीच से गुजरता था. हर बार वैसे ही रास्तों को पार कर लौटता था, बहुत लंबा रास्ता. अंधेरा भी, बदबू भी और असंबद्धता भी. जितना घायल जाता था, उससे ज्यादा घायल लौटता था. बहुत भ्रम और बहुत भय से भरा यह अनुभव था. दिन ऐसी रोशनी से भरा होता था जिसमें चौन का एक पल भी नहीं होता था. रोज दिन में नये जख्म मिलते और उतने ही आंसू निकलते थे. रोशनी राहत भी देती थी और डराती भी थी. रात का ख्याल भय से भर देता था. अब यह सब याद कर रहा हूं तो पाता हूं कि यह घायल मन की भटकन के साथ घाव की पीड़ा भी थी. घाव जो लगातार लग रहे हैं, बढ़ रहे हैं. अब कोई जगह भी बाकी नहीं बची जहां जख्म जगह पा सकें. गालिब की जिद ही सही, मैं उसे पूरा तो रख ही दूं, दिल ही तो है, नहीं संग-ओ-खिश्त, दर्द से भर न आये क्यूंध् रोयेंगे हम हजार बार, कोई हमें रुलाये क्यों.

हिंदुस्तानी खुशबू से लबरेज कश्मीर

लीजिए, हुक्मरानों ने आपकी कश्मीर में बसने की हसरत भी पूरी कर दी है। अब आपको पट्टे पर जमीन लेकर घर बसाने या कारोबार करने की कोई दरकार नहीं होगी बल्कि आप मालिकाना हक से अब अपने सपनों का घर बना सकेंगे और व्यवसाय भी कर सकेंगे। हिंदुस्तान का कोई भी व्यक्ति अब केंद्र शासित जम्मू-कश्मीर में बेरोकटोक जमीन खरीद सकता है। वहां बस सकता है, हालाँकि अधिकार के तौर पर खेती की जमीन अब भी कश्मीरियों के लिए रहेगी। 27 अक्टूबर मंगलवार देश ले लिए मंगलकारी रहा या कहें किसी नायाब तोहफे से कम नहीं रहा। इस नए नोटिफिक्रेशन के बाद हरेक हिंदुस्तानी को कश्मीर में बसने और भू खरीददारी का हक मिल गया है। कश्मीर से आर्टिकल 370 की विदाई के बाद केंद्र सरकार का यह बड़ा और ऐतिहासिक कदम है। जमीन पर दीगर स्टेटस के मालिकाना हक ले लिए केंद्र ने 26 कानूनों को निरस्त कर दिया या बदल दिया है। यूनियन गवर्नमेंट ने जम्मू-कश्मीर में जमीन खरीदने के लिए राज्य का स्थाई निवासी होने की शर्त को हटा दिया है। गृह मंत्रालय की यह अधिसूचना तत्काल प्रभाव से लागू भी हो गई है, लेकिन इस फैसले पर पूर्व सीएम उमर अब्दुल्ला ने तल्ख टिप्पणी की है। बोले-अब जम्मू-कश्मीर ब्रिकी के लिए तैयार है जबकि जम्मू-कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा के मुताबिक, हम चाहते हैं-बाहर की इंडस्ट्री जम्मू-कश्मीर में लगें, इसीलिए इंडस्ट्रियल लैंड में इन्वेस्ट की आवश्यकता है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने यह ऐतिहासिक फैसला जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन के तहत लिए है। अब कोई भी भारतीय वहां फैक्ट्री, घर या दुकान के लिए जमीन खरीद या बेच सकता है। मंत्रालय ने यह साफकिया है, इसके लिए किसी तरह के स्थाई निवासी होने का सुबूत देने की जरुरत नहीं होगी। जम्मू-कश्मीर को 5 अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 और 35ए की बंदिशों से मुक्त कर दिया गया था। इसके बाद 31 अक्टूबर को केंद्र शासित प्रदेश बन गया। अब केंद्र शासित प्रदेश होने के करीब-करीब एक साल पूरा होने पर जमीन की खरीद फरोख्त कानून में बदलाव कर दिया गया है। केंद्र शासित प्रदेश में भूमि से सम्बंधित जम्मू-कश्मीर विकास अधिनियम की धारा 17 से राज्य के स्थाई निवासी वाक्यांश को हटा दिए गया है। इससे पूर्व सिर्फ जम्मू-कश्मीर के लोग ही जमीन को खरीद या बेच सकते थे। अब बाहर से आने वाले भारतीय भी जम्मू-कश्मीर में स्थाई तौर पर रह सकते हैं। धारा 370 जम्मू-कश्मीर को एक विशेष दर्जा देती थी। जम्मू-कश्मीर का अपना संविधान था। जम्मू-कश्मीर का अपना झंडा था। केंद्र से पारित कोई भी कानून जम्मू-कश्मीर की विधान सभा में मंजूरी के बाद ही राज्य में लागू किया जाता था। जम्मू-कश्मीर में इंडियन पैनल कोर्ट नहीं बल्कि रनबीर पैनल कोर्ट के तहत मामले दर्ज किए और सुलझाए जाते थे। जम्मू-कश्मीर में भारत के बाहरी राज्य के लोगों को जमीन लेने या नौकरी पाने का अधिकार नहीं था। पूरे देश में चुनाव हर पांच साल बाद होते हैं तो जम्मू-कश्मीर में यह चुनावी अवधि छह बरस थी। दो केंद्र शासित प्रदेशों के बांटने ने 14 महीने बाद अब केंद्र सरकार ने प्रदेश के भूमि सम्बंधित कानूनों में आमूल-चूल परिवर्तन किया है। अब कश्मीर में नए सवेरे के आगाज होगा। कृषि भूमि पर कॉन्ट्रैक्ट खेती प्रारम्भ हो पाएगी। औद्योगिक विकास निगम की स्थापना का मार्ग भी प्रशस्त हो गया है। औद्योगिक और वाणिज्यिक उद्देश्य के लिए खरीदी गई जमीन भी सरकार अब किसी को भी दे सकेगी। पहले इस तरह

भूमि सिर्फ स्थाई निवासी ही खरीद सकते थे। केंद्र के इस निर्णय से विपक्षी नेता आग बबूला हैं। पीडीपी की चीफ महबूबा मुफ्ती ने कहा, यह बदलाव पूर्ण रुप से असंवैधानिक है। किसी कीमत पर यह स्वीकार्य नहीं है।

मुख्य सियासी पार्टियों के गठबंधन गुपकार के प्रवक्ता सज्जाद लोन ने इसे बड़ा धोखा करार दिया। नए भू नियम लद्दाख में लागू होंगे या नहीं, यह अभी स्पष्ट नहीं है। उम्मीद है, सरकार आने वाले दिनों में स्थिति साफकर देगी। उद्योग जगत के लिए नया भू कानून संजीवनी माना जा रहा है। नए कानून से औद्योगिक निवेश की सबसे बड़ी अड़चन दूर हो गई है। इस नए नवेले केंद्र शासित प्रदेश में अब उद्योग की संभावनाएं बढ़ेंगी। देश के बड़े- उद्योगपति वहां उद्योग लगाने के लिए प्रेरित होंगे। इससे न केवल राज्य की माली हालत मजबूत होगी बल्कि युवा भी बारोजगार होंगे। नए नियम शिक्षा और सेहत महकमों के लिए वरदान साबित होंगे। अब तक जमीन का मालिकाना हक न मिल पाने से देश की नामचीन कंपनियां जम्मू-कश्मीर का रुख नहीं करती थीं, इसीलिए जम्मू संभाग हो या कश्मीर, दोनों की जगह औद्योगिक इकाइयां कम ही हैं। ऐसे में युवा रोजगार के लिए दूसरे सूबों में पलायन करने हैं या चुनिंदा युवक आतंकवाद की शरण में चले जाते हैं। मानो, न्यू लैंड लॉ कह रहा हो ेलकम इन न्यू कश्मीर!

सबको जन्नत नसीब होने पर कश्मीर के खुराफाती बेचौन क्यों है ?

अब कश्मीरी नेताओं को जमीनी हकीकत समझने और वर्तमान दौर के साथ व्यवहारिक होने की जरूरत है। उन्हें अब सच और जमीनी हकीकत समझ लेनी चाहिए। अब भारत में उनकी बकवास को कोई सुनने वाला नहीं है। वे चाहें तो कुछ भी कर के देख लें, उनकी अक्ल ठिकाने लग जाएगी। उन्हें समझ आ जाना चाहिए कि वे राज्य की जनता का विश्वास पूरी तरह खो चुके हैं और यहाँ की जनता अब उनके बहकावे में रहने वाली नहीं है। हर हिन्दुस्तानी को अब ये पता चल चुका है कि जम्मू और कश्मीर के खुराफाती नेता अपने फायदे के लिए चीन और पाकिस्तान की भाषा क्यों बोल रहे हैं। हाल ही में केंद्र ने भारतीय नागरिकों के लिए संविधान के अनुच्छेद 370 और 35। के निरस्त होने के एक साल बाद कई कानूनों में संशोधन करके जम्मू-कश्मीर में सभी भारतीयों के जमीन खरीदने का तोहफा दिया है। पिछले साल अगस्त में अनुच्छेद 370 और अनुच्छेद 35 ए को निरस्त करने से पहले, जम्मू-कश्मीर में गैर-निवासी कोई अचल संपत्ति नहीं खरीद सकते थे। ताजा बदलावों ने गैर-निवासियों के लिए जम्मू और कश्मीर के केंद्र शासित प्रदेश में जमीन खरीदने का मार्ग प्रशस्त किया है। दूसरी तरफ जम्मू-कश्मीर के नजरबंद नेताओं ने रिहा होते ही फिर से अपनी पुरानी खुराफात चालू कर दी है। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्रियों फारूख अब्दुल्ला, महबूबा मुफ्ती, उमर अब्दुल्ला और जम्मू-कश्मीर पीपुल्स कॉन्फ्रेंस, माकपा तथा जम्मू-कश्मीर अवामी नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेताओं ने यह मांग कर दी कि भारत सरकार राज्य के लोगों को वो सारे अधिकार फिर से वापस लौटाए जो पाँच अगस्त 2019 से पहले उनको हासिल थे। अब उनके द्वारा इस नए कदम का विरोध भी वहां शुरू हो गया है. पीपुल्स अलायंस फॉर गुप्कर डिक्लेरेशन ने जम्मू और कश्मीर में सात मुख्यधारा की पार्टियों के एक सम्मलेन में भूमि कानूनों में बदलाव की निंदा की और सभी मोर्चों पर इनसे लड़ने की कसम खाई। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने कहा कि उन्हें संशोधन अस्वीकार्य है। जम्मू और कश्मीर के संशोधित कानून अधिसूचना ने राज्य के भूमि अधिग्रहण अधिनियम की धारा 30 और भाग टप्प् को भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास और पुनर्वास अधिनियम, 2013 में उचित मुआवजा और पारदर्शिता के अधिकार के साथ बदल दिया है। अधिसूचना द्वारा निरस्त किए गए अन्य प्रमुख कानूनों में जम्मू-कश्मीर बिग लैंडेड इस्टेट्स (उन्मूलन) अधिनियम, शेख अब्दुल्ला द्वारा लाया गया एक ऐतिहासिक अधिनियम शामिल है, जिसने भूमिहीन टिलर को भूमि अधिकार दिया। जेके एलियनेशन ऑफ लैंड एक्ट, 1995, जेके कॉमन लैंड्स (विनियमन) अधिनियम, 1956 और जेके कंसॉलिडेशन ऑफ होल्डिंग्स एक्ट, 1962 को भी निरस्त कर दिया गया। इस पर पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने कहा है कि यह जम्मू-कश्मीर के लोगों को कहीं का न छोड़ने के लिए उठाया गया कदम है। उन्होंने ट्वीट किया, श्यह जम्मू-कश्मीर के लोगों को कमजोर करने और उन्हें कहीं का न छोड़ने के भारत सरकार के नापाक मंसूबों से जुड़ा एक और कदम है। असंवैधानिक तरीके से अनुच्छेद 370 हटाकर हमारे प्राकृतिक संसाधनों की लूट की इजाजत दी गई और अब जम्मू-कश्मीर की जमीन बिक्री के लिए रख दी। निरस्त किए जाने वाले अन्य कानूनों में कृषि होल्डिंग्स अधिनियम, 1960 के विखंडन की जम्मू और कश्मीर रोकथामय भूमि के रूपांतरण और बागों के अलगाव पर जेके निषेध अधिनियम, 1975य जेके राइट ऑफ प्रायर प्रोक्योरमेंट एक्ट, 1936 ए डीय टेनेंसी की धारा 3 (निष्कासन कार्यवाही का ठहराव) अधिनियम 1966य भूमि अधिनियम, 2010 का जेके उपयोगय जम्मू और कश्मीर भूमिगत उपयोगिताएँ (भूमि में उपयोगकर्ता के अधिकारों का अधिग्रहण) अधिनियम शामिल है. नयी अधिसूचना यह भी बताती है कि कॉर्प कमांडर के पद से नीचे के सेना के अधिकारी के लिखित अनुरोध पर सरकार एक क्षेत्र को सामरिक क्षेत्र के रूप में घोषित नहीं कर सकती, केवल सशस्त्र बलों के प्रत्यक्ष परिचालन और प्रशिक्षण आवश्यकताओं के लिए इस अधिनियम के संचालन से और नियम और कानून और तरीके से बनाए गए हैं। देखे तो ये कदम संवैधानिक वैधता और उचित प्रतिबंध के साथ आया है. संविधान मूल रूप से अनुच्छेद 19 और 31 के तहत संपत्ति के अधिकार के लिए प्रदान किया गया। अनुच्छेद 19 सभी नागरिकों को संपत्ति के अधिग्रहण, धारण और निपटान के अधिकार की गारंटी देता है। अनुच्छेद 31 में कहा गया है कि ष्कोई भी व्यक्ति कानून के अधिकार द्वारा अपनी संपत्ति बचाने से वंचित नहीं होगा।ष् यह भी प्रदान किया कि मुआवजे का भुगतान उस व्यक्ति को किया जाएगा, जिसकी संपत्ति सार्वजनिक उद्देश्यों के लिए ली गई है। संपत्ति के अधिकार से संबंधित प्रावधानों को कई बार बदला गया। 1978 के 44 वें संशोधन ने संपत्ति के अधिकार को मौलिक अधिकारों की सूची से हटा दिया। एक नया प्रावधान, अनुच्छेद 300-ए को संविधान में जोड़ा गया था, जो प्रदान करता था कि ष्कोई भी व्यक्ति कानून के अधिकार से अपनी संपत्ति बचाने से वंचित नहीं होगा। अनुच्छेद 19 के तहत सभी नागरिकों को अधिकार है कि उसे भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रताय लोगों को इकट्ठा करने के लिए और बिना हथियारों केय संघों या यूनियनों के गठन के लिएय पूरे भारत में स्वतंत्र रूप से घूमने के लिएय भारत के किसी भी भाग में निवास करना और बसनाय किसी भी पेशे का अभ्यास करना, या किसी व्यवसाय, व्यापार या व्यवसाय को करना दिए गए है. भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19 (1) (डी) और (ई) भारत के प्रत्येक नागरिक को भारत के पूरे क्षेत्र में स्वतंत्र रूप से स्थानांतरित करने और भारत के क्षेत्र के किसी भी हिस्से में निवास करने और बसने के अधिकार की गारंटी देता है। यह अधिकार आम जनता के हित में या किसी अनुसूचित जनजाति के हितों की रक्षा के लिए कानून द्वारा लगाए गए उचित प्रतिबंधों के अधीन है। आंदोलन की स्वतंत्रता अनुच्छेद 19 (1) (डी)रू भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19 (1) (डी) भारत के सभी नागरिकों को भारत के पूरे क्षेत्र में स्वतंत्र रूप से स्थानांतरित करने के अधिकारष् की गारंटी देता है। हालाँकि यह अधिकार अनुच्छेद 19 (5) के तहत उल्लिखित उचित प्रतिबंधों के अधीन है। अनुच्छेद 19 का खंड (5) राज्य को आम जनता के हित में या किसी अनुसूचित जनजाति के हित की रक्षा के लिए उचित प्रतिबंध लगाने का अधिकार देता है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19 के खंड (5) के अनुसार दो आधारों पर आंदोलन की स्वतंत्रता पर उचित प्रतिबंध लगाया जा सकता है- आम जनता के हित में एवं अनुसूचित जनजातियों के संरक्षण के लिए. खड़क सिंह बनाम यूपी मामले में, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि भारत के पूरे क्षेत्र में स्वतंत्र रूप से स्थानांतरित करने का अधिकार का अर्थ है नियंत्रण रेखा का अधिकार जो किसी को भी पसंद करने के अधिकार को दर्शाता है, और हालाँकि वह पसंद करता है।

उत्तर प्रदेश बनाम राज्य कौशल्या मामले में सुप्रीम कोर्ट ने माना कि वेश्याओं के आंदोलन का अधिकार सार्वजनिक स्वास्थ्य के आधार पर और सार्वजनिक नैतिकता के हित में प्रतिबंधित किया जा सकता है। निवासी की स्वतंत्रता अनुच्छेद 19 (1) (ई) भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19 (1) (ई) भारत के प्रत्येक नागरिक को गारंटी देता है, ष्भारत के किसी भी हिस्से में निवास करने और बसने का अधिकारष्। इस अधिकार को उचित प्रतिबंधों के अधीन किया जाता है, जो कि अनुच्छेद 19 के खंड (5) के तहत, आम जनता के हित में या किसी अनुसूचित जनजाति के हितों की रक्षा के लिए, राज्य द्वारा लगाया जा सकता है। आंदोलन और निवास की स्वतंत्रता केवल भारत के नागरिकों पर लागू होती है, न कि विदेशियों पर। एक विदेशी अनुच्छेद 19 (1) (ई) की गारंटी के अनुसार देश में निवास करने और बसने के अधिकार का दावा नहीं कर सकता। भारत सरकार के पास भारत से विदेशियों को बाहर निकालने की शक्ति है।इसलिए यह स्पष्ट है कि इस संशोधन को अनुच्छेद 19 के दायरे में लाया गया है, जिसमें कृषि भूमि जैसे गैर-कृषकों को हस्तांतरित नहीं किया जाएगा। हालांकि, कुछ शर्तें हैं जहां उन्हें विकास के उद्देश्यों के लिए स्थानांतरित किया जा सकता है। यह प्रतिबंध जम्मू-कश्मीर के मूल निवासियों के हितों की रक्षा करेगा और उन्हें सशक्त भी करेगा। दरअसल अब कश्मीरी नेताओं को जमीनी हकीकत समझने और वर्तमान दौर के साथ व्यवहारिक होने की जरूरत है। उन्हें अब सच और जमीनी हकीकत समझ लेनी चाहिए। अब भारत में उनकी बकवास कोई सुनने वाला नहीं है। वे चाहें तो कुछ भी कर के देख लें, उनकी अक्ल ठिकाने लग जाएगी। उन्हें समझ आ जाना चाहिए कि वे राज्य की जनता का विश्वास पूरी तरह खो चुके हैं और यहाँ की जनता अब उनके बहकावे में रहने वाली नहीं है। हर हिन्दुस्तानी को अब ये पता चल चुका है कि जम्मू और कश्मीर के खुराफाती नेता अपने फायदे के लिए चीन और पाकिस्तान की भाषा क्यों बोल रहे हैं? समय रहते अब इन्हें समझ आ जाना चाहिए कि जम्मू-कश्मीर ही नहीं भारत की एक-एक इंच भूमि पवित्र और खास है। अखंड भारत की कोई भी जगह कम या अधिक विशेष नहीं है। अब देश हित और कश्मीरी नेताओं के हित में यही होगा कि अब ये राज्य के विकास में सरकार का साथ दें और जनता का विश्वास पुनः प्राप्त करने की कोशिश में जुट जाए। वे राज्य के साथ मिल कर काम करें और प्रगति में अपना योगदान दें। अगर वे समझदार नेता हैं तो सबको साथ लेकर चलने में यकीन करने वाली भारत सरकार के साथ बढे। अन्यथाराज्य का विकास तो होगा ही ये सत्य है मगर इनको पूछने वाला कोई नहीं होगा।

चेन्नई सुपर किंग्स की टीम में नजर आ रही है नई एनर्जीः सुनील गावस्कर

लीग में पिछले कुछ दिन बेहद रोचक रहे। मजबूत टीमों को उन टीमों से हार मिली जो अब तक अपेक्षा से कम प्रदर्शन कर रही थीं। इससे एक बार फिर ये बात साबित हो गई कि इस खेल में फॉर्म कितनी अस्थायी है। और ये भी कि इस प्रारूप में विजेता का अनुमान लगाना कितना मुश्किल काम है, वो भी ऐसे टूर्नामेंट में। इस लेख के लिखे जाने तक सिर्फ एक टीम प्लेऑफ की रेस से बाहर हुई है और आश्चर्य है कि वो टीम चेन्नई है, जिसने हर सीजन में प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई किया है। इस टीम ने तीन बार ये प्रतिष्ठित ट्रॉफी अपने नाम की है और पांच बार रनरअप का तमगा हासिल किया है। ये असाधारण रिकॉर्ड है और यही वजह है कि इस टीम को प्लेऑफ की रेस से बाहर होते देखना दुखद है।बेशक अब चेन्नई की टीम प्लेऑफ में क्वालीफाई नहीं कर सकती, लेकिन अपने बचे मैचों में अन्य टीमों का खेल जरूर खराब कर सकती है। जिस तरह आसानी से चेन्नई ने बेंगलुरु को मात दी, उससे इस टीम के प्रशंसक हैरान रह गए कि आखिर अपने शुरुआती मुकाबलों में टीम ने ऐसा खेल क्यों नहीं दिखाया। हो सकता है कि इसकी वजह अब चेन्नई पर दबाव न होना हो। वजह जो भी हो चेन्नई की बॉडी लेंग्वेज अलग नजर आ रही है और टीम में नई एनर्जी नजर आ रही है। क्या अब चेन्नई इस मुकाबले में कोलकाता को भी प्लेऑफ की रेस से बाहर कर देगी? शुरुआती लड़खड़ाहट के बाद युवा रुतुराज गायकवाड़ ने बेहतरीन खेल दिखाया है। उनका स्ट्रोकप्ले बेहद साफ सुथरा था और फुटवर्क बेहद ताजगीभरा।

सबसे अच्छी बात उनका टेंपरामेंट थी क्योंकि अर्धशतक पूरा करने के बावजूद उन्होंने कोई भी गैरजरूरी शॉट नहीं लगाया और अपनी टीम को जीत की मंजिल तक पहुंचाने के लिए अंत तक क्रीज पर मौजूद रहे। कोलकाता के लिए टूर्नामेंट उतार-चढ़ाव वाला रहा है।टूर्नामेंट के आधे चरण तक टीम ने सात में से चार मुकाबले जीते और इसी बीच कप्तान ने बल्लेबाजी पर ध्यान फोकस करने के लिए पद छोड़ दिया। ये और बात है कि कप्तानी का बोझ कम होने के बाद भी उनका प्रदर्शन खास नहीं रहा। टीम को आंद्रे रसेल की कमी निश्चित रूप से खल रही है खासकर शारजाह जैसे मैदान पर जहां यूनिवर्स बॉस क्रिस गेल ने अपने बड़े छक्कों से कोलकाता को हराने में पंजाब की मदद की।चेन्नई के पास खोने के लिए कुछ नहीं है मगर कोलकाता के पास पाने के लिए बहुत कुछ। और अब अगर कोलकाता को खुद को टूर्नामेंट में बनाए रखने का मौका हासिल करना है तो उसे मैदान पर अपनी ये तड़प दिखानी भी होगी।

भारत के खिलाफ वनडे और टी-20 में पहली बार खेलेंगे कैमरून ग्रीन

सिडनी। कैमरून ने 17 लिस्ट ए के मैचों में 52.23 की औसत से 1097 रन बनाए हैं और 28 विकेट लिए हैं। उन्हें पहली बार ऑस्ट्रेलिया की नेशनल टीम में शामिल किया गया है। अगले महीने भारत के खिलाफ वनडे और टी-20 सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया ने टीम का ऐलान कर दिया है। युवा खिलाड़ी कैमरून ग्रीन को पहली बार टीम में शामिल किया गया है। जबकि न्यू साउथ वेल्स के ऑलराउंडर मोइस हेनरिक्स की तीन साल बाद टीम में वापसी हुई है। उन्हें चोटिल मिशेल मार्श की जगह पर टीम में शामिल किया गया है।पूर्व सिलेक्टर ग्रेग चैपल ने बिग बैश लीग में कैमरून की बेहतर बल्लेबाजी और बॉलिंग देखने के बाद चयनकर्ताओं से उनके नाम पर विचार करने का सुझाव दिया था। कैमरून के पास बेहतर प्रदर्शन कर टेस्ट टीम में जगह बनाने का अच्छा मौका है।सिलेक्शन कमिटी के चेयरमैन ट्रेवर होन्स ने कहा कि डोमेस्टिक लीग मे वेस्टर्न

ऑस्ट्रेलिया की ओर से खेलते हुए कैमरून ने बेहतर प्रदर्शन किया। भविष्य में टीम के लिए बेहतर खिलाड़ी हो सकते हैं। उनके पास टीम में जगह बनाने और अनुभव प्राप्त करने के लिए अच्छा मौका है।मोइस हेनरिक्स पिछले साल बिग बैश लीग जीतने वाली सिडनी सिक्स टीम के कप्तान थे। वहीं इस सीजन के शुरूआत में साउथ वेल्स की ओर से खेलते हुए बेहतर प्रदर्शन किया। उन्हें अंतिम बार 2017 में टी-20 और वनडे लीग में शामिल किया गया था। उन्हें मिशेल मार्श के स्थान पर टीम में शामिल किया गया है।होन्स ने कहा, ÷मोइस एक अनुभवी क्रिकेटर हैं। उनकी कप्तानी में पिछले साल सिडनी सिक्सर ने बीबीएल खिताब जीता है। उन्होंने अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया। वहीं इस सीजन के शुरुआत में भी उन्होंने बेहतर प्रदर्शन किया है।उन्होंने आगे कहा- मिशेल मार्श जल्द ही वापसी करते हुए फिर से ट्रेनिंग शुरु करेंगे। हमें उम्मीद है कि वह दिसंबर के शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया ए के लिए खेलेंगे। और ऑल राउंडर के तौर पर पूरी तरह से फिट होंगे। हमारे पास वनडे के लिए कैमरून और मोइस एक अच्छे ऑल राउंडर के रूप में चयन के लिए उपलब्ध थे। वहीं साल के शुरुआत में इंग्लैंड दौरे के लिए टीम में शामिल किए रिले मेरेडिथ को टीम में जगह नहीं दी गई है। वहीं डेनियल सैम्स को टीम में बरकरार रखा गया है। जबकि नाथन लियोन टीम से बाहर हैं। वहीं स्पिन का जिम्मा एडम जम्पा और एश्टन एगर के जिम्मे है।टीम- एरॉन फिंच (कैप्टन), सीन एबॉट, एश्टन एगर, एलेक्स केरी, पैट कमिंस, कैमरून ग्रीन, जोश हेजलवुड, मोइसेस हेनरिक्स, मार्नस लबुशाने , ग्लेन मैक्सवेल, डेनियल सैम्स, केन रिचर्डसन, स्टीवन स्मिथ, मिशेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, मैथ्यू वेड, डेविड वॉर्नर, एडम ज़म्पा।

सूर्यकुमार यादव की पारी पर सहवाग बोले-बंदे में दम है, जल्दी नंबर आएगा

दुबई। मुंबई इंडियंस के मिडल ऑर्डर बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने बुधवार रात बेंगलुरु के खिलाफ 43 गेंद में 79 रन की पारी खेली। इसमें 10 चौके और 3 छक्के शामिल थे।13 के एक मैच में बुधवार को मुंबई इंडियंस ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 5 विकेट से हराया। इसके साथ ही मुंबई इंडियंस ने प्ले ऑफ में जगह पक्की कर ली। जीत के हीरो सूर्यकुमार यादव रहे। उन्हें मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। सूर्यकुमार ने 43 गेंद में 79 रन बनाए। इसमें 10 चौके और 3 छक्के शामिल हैं।सूर्यकुमार की इस पारी के बाद वीरेंद्र सहवाग ने उनकी तारीफ की। कहा- बंदे में दम है, जल्दी नंबर आएगा। नो डाउट एक सीजन में लगातार तीन विस्फोटक पारी। मुंबई की बेहतरीन जीत।टीम इंडिया के कोच रवि शास्त्री ने सूर्यकुमार यादव की पारी की तारीफ की। कहा- सूर्य नमस्कार। मजबूत बने रहें और धैर्य रखें।यादव ने इस सीजन के 12 मैचों में 40.22 की औसत से 362 रन बनाए हैं। आईपीएल के कुल 97 मैचों में उन्होंने 29.84 की औसत से 1406 रन बनाए हैं।पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने ऑस्ट्रेलिया टूर के लिए टीम इंडिया के ऐलान के बाद यादव का चयन न होने पर सवाल उठाए थे। बुधवार की पारी के बाद हरभजन ने फिर ट्वीट किया। कहा- फिर बेहतर पारी। उम्मीद है सिलेक्टर्स ने खेलते हुए देखा होगा।हरभजन के इस ट्वीट के बाद सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई। एक यूजर ने ट्वीट किया- चयनकर्ताओं को 15 खिलाड़ी चुनना होता है। कृपया, बताएं कि किस खिलाड़ी का चयन हुआ है और उसने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। यादव को पहले इंडिया ए टीम में लिया गया था। लेकिन, उनको वहां अपने सिलेक्शन को साबित करना चाहिए था। एक यूजर ने यादव की आलोचना पर कहा- उस पर अटैक करने वालों को अपनी जानकारी दुरूस्त करना चाहिए। उसके फर्स्ट क्लास करियर पर नजर डालना चाहिए। ऐसे भी प्लेयर्स हैं जिनका सिलेक्शन हुआ और वे उस पर खरे नहीं उतरे। ऋषभ पंत, रविंद्र जडेजा, नवदीप सैनी और वरुण चक्रवर्ती।

राशिद खान ने कीसबसे किफायती गेंदबाजी, 24 में से 20 गेंद नहीं छू पाए दिल्ली के बल्लेबाज

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 13वें सीजन के 47वें मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद की टीम ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 88 रन की बड़ी जीत दर्ज की। इस मैच में कप्तान डेविड वार्नर और विकेटकीपर रिद्धिमान साहा की तूफानी अर्धशतकीय पारी शामिल रही तो राशिद खान की किफायती असरदार सबसे अहम रही। राशिद ने 4 ओवर में 7 रन देकर तीन विकेट हासिल किए।पहले बल्लेबाजी करते हुए हैदराबाद ने वार्नर के 34 गेंद पर 66 और साहा के 47 गेंद पर 87 रन की बदौलत दिल्ली के सामने 219 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। जवाब में दिल्ली की टीम महज 131 रन पर ऑलआउट हो गई। 88 रन की बड़ी जीत के साथ हैदराबाद ने प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जिंदा रखा।

बांग्लादेश टीम फिर से मिलेगा चैंपियन खिलाड़ी का साथ

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की टीम के पूर्व कप्तान शाकिब अल हसन की फिर से टीम में वापसी हो रही है। बांग्लादेश की टीम अपने पूर्व कप्तान शाकिब अल हसन का स्वागत करने के लिए तैयार है, क्योंकि गुरुवार 29 अक्टूबर को उनका बैन समाप्त हो गया है। शाकिब को एंटी करप्शन का नियम तोड़ने की वजह से एक साल के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल यानी आइसीसी ने क्रिकेट से बैन कर दिया था। हालांकि, टीम पर इसका असर ज्यादा नहीं पड़ा, क्योंकि करीब 6-7 महीने टीम ने क्रिकेट नहीं खेली है।शाकिब अल हसन को आइसीसी की एंटी करप्शन यूनिट ने दो साल के लिए बैन किया था, लेकिन उनके अच्छे व्यवहार को देखते हुए उनका बैन एक साल कम कर दिया गया था। भारतीय बुकी ने आइपीएल 2019 और क्रिकेट वर्ल्ड कप 2019 के दौरान उनको मैच फिक्सिंग के लिए अप्रोच किया था। शाकिब ने माना था कि उनसे गलती

हुई थी कि उन्होंने संबंधित अधिकारियों को इस बात की सूचना नहीं दी थी। उधर, महमदुल्लाह ने कहा है कि बांग्लादेश की टीम गर्मजोशी से शाकिब का स्वागत करना चाहती है। बांग्लादेश की टी20 टीम के कप्तान महमदुल्लाह ने ईएसपीएन क्रिकइंफो से बात करते हुए कहा है, ÷हमारा जवान वापस घर आ रहा है। हम सब जानते हैं कि शाकिब सालों तक बांग्लादेश टीम के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे हैं। हम सभी को इंतजार है कि ड्रेसिंग रूम में उनकी वापसी कब हो। यह जानकर अच्छा लगता है कि हम उसे देख सकते हैं, उससे बात कर सकते हैं और उसके साथ समय बिता सकते हैं।÷ 33 वर्षीय ऑलराउंडर इस समय अपने परिवार के साथ अमेरिका में हैं और अगले महीने की शुरुआत में उनके बांग्लादेश लौटने की उम्मीद है। महमदुल्लाह ने कहा है, शाकिब एक चैंपियन खिलाड़ी हैं। मुझे लगता है कि उसे फिर से लय में आने में देर नहीं लगेगी। मुझे विश्वास है कि क्रिकेट के मैदान में उतरते ही वह इसे वापस पा लेंगे। सबसे बड़ी बात यह है कि हम उस अंतर को भर सकते हैं जो उसकी अनुपस्थिति ने

पोलार्ड ने बताया, भारतीय टीम में नहीं चुने जाने से सूर्यकुमार को अंदर काफी चोट पहुंची

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाने वाली भारतीय क्रिकेट टीम में चयन नहीं होने के महज दो दिन बाद ही सूर्यकुमार यादव ने एक और धमाकेदार पारी खेली। बैंगलोर के खिलाफ मुंबई इंडियंस ने 5 विकेट से जीत दर्ज की जिसमें सूर्यकुमार की 47 गेंद पर 79 रन की नाबाद पारी अहम रही।इस पारी के बाद उनको टीम में जगह नहीं दिए जाने पर एक बार फिर से बहस छिड़ गई है। जीत के बाद मुंबई की कप्तानी कर रहे कीरोन पोलार्ड ने बताया कि सूर्यकुमार अंदर से बेहद दुखी होंगे।

सोशल मीडिया का दावा- विराट ने सूर्यकुमार पर स्लेजिंग की

बुमराह के पहले और सौवें शिकार बने कोहली

दुबई। आईपीएल-13 में बुधवार रात मुंबई इंडियंस और रॉयल चैलेंजर्स के बीच मैच हुआ। इस दौरान विराट कोहली और सूर्यकुमार यादव के बीच कुछ बातचीत हुई। सोशल मीडिया पर दावा किया जा रहा है कि कोहली ने कथित तौर पर स्लेजिंग की।आईपीएल-13 में बुधवार रात को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और मुंबई इंडियंस के खेले मैच में कुछ रोचक घटनाएं हुईं। ये सोशल मीडिया पर चर्चा बनीं। इनके फोटो या फिर वीडियो वायरल भी हुए।आइए इन पर एक नजर डालते हैं।मैच के दौरान एक ओवर खत्म हुआ। ब्रेक के दौरान विराट सूर्यकुमार यादव के करीब पहुंचे। वीडियो से लगता है जैसे विराट ने उनसे कुछ कहा। यादव का रिएक्शन मामूली था। उन्होंने बैट से पिच को थपथपाया और आगे बढ़ गए। ऐसा

लगता है जैसे उन्होंने विराट की बात या स्लेजिंग को तवज्जो नहीं दी। लेकिन, यूजर्स कयास लगा रहे हैं। एक यूजर ने लिखा- कोहली यादव के साथ डील करना चाहते थे। एक अन्य यूजर का मानना था कि विराट ने शायद यादव को कुछ अपशब्द कहे। क्रिकेट में इस तरह की घटनाओं को स्लेजिंग कहते हैं।

मुंबई इंडियंस को जीत दिलाने के बाद यादव डग आउट की तरफ इशारा कर रहे हैं। यह वीडियो मुंबई इंडियंस ने भी ट्वीट किया है। उनके इशारे से यह अंदाजा लग रहा है कि वह कह रहे हैं- मैं हूं। फिक्र न करें।आईपीएल में जसप्रीत बुमराह और विराट कोहली के बीच अजीब संयोग रहा। बुमराह का पहला विकेट भी कोहली थे। और 100वां शिकार भी वही बने। साल 2013 मे मुंबई की ओर से बुमराह ने पहले मैच में पहला विकेट कोहली का लिया था। यह मैच चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला गया था। विराट तब तक भारतीय क्रिकेट के बड़े नाम हो चुके थे। बुमराह की पहली 3 गेंदों पर विराट ने चौके जड़े। उसके बाद चौथी गेंद पर कैच आउट हो गए।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए फिट नहीं हैं रोहित शर्मा तो मैच देखने कैसे आ जाते हैं : वीरेंद्र सहवाग

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के ओपनर रोहित शर्मा को ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाने वाली टीम से बाहर रखा गया है। सोमवार 26 अक्टूबर को दौरे पर जाने वाली तीनों फॉर्मेट की टीम का चयन किया गया। रोहित शर्मा के चोटिल होने की वजह से उनको इस लंबे दौरे पर किसी भी टीम में जगह नहीं दी गई। पूर्व भारतीय ओपनर वीरेंद्र सहवाग ने इस पर सवाल उठाए हैं।सहवाग ने एक अंग्रेजी वेबसाइट पर बात करते हुए कहा, ÷हमारे वक्त में जब श्रीकांत मुख्य चयनकर्ता हुआ करते थे, अगर कोई खिलाड़ी चयन के दिन चोटिल होता था तो उसको नहीं चुना जाता था। यह एक लंबा दौरा है और रोहित शर्मा बहुत ही अहम खिलाड़ी हैं। अगर उनके आज की चोट को देखते हुए दौरे के लिए टीम में चयन नहीं किया जाता तो फिर मुझे लगता है यह उनके साथ बहुत ही ज्यादा कठोर फैसला है।

मुंबई ने बेंगलुरु को 5 विकेट से हराया

8वीं जीत के साथ एमआई की प्ले-ऑफ में जगह पक्की

अबु धाबी। मुंबई इंडियंस को जीत दिलाने के बाद आत्मविश्वास से लबरेज सूर्यकुमार यादव ने डगआउट की ओर इशारा किया। मानो वे बोल रहे हों कि मैं हूं ना। आईपीएल के 13वें सीजन के 48वें मैच में मुंबई इंडियंस ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 5 विकेट से हरा दिया। सीजन में 8वीं जीत के साथ मुंबई पॉइंट्स टेबल में टॉप पर बरकरार है। वहीं, 16 पॉइंट्स के साथ उसने प्ले-ऑफ में अपनी जगह भी पक्की कर ली है। अबु धाबी में खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए बेंगलुरु ने मुंबई को 165 रन का टारगेट दिया था। जवाब में मुंबई ने 19.1 ओवर में 5 विकेट पर 166 रन बनाकर मैच जीत लिया। सूर्यकुमार यादव ने सबसे ज्यादा 79 रन की नाबाद पारी खेली। उन्हें मैन ऑफ द मैच भी चुना गया। वहीं, बेंगलुरु के मोहम्मद सिराज और युजवेंद्र चहल को 2-2 विकेट मिले। मुंबई के ओपनर क्विंटन डिकॉक और ईशान किशन ने संभलकर खेलते हुए पहले विकेट के लिए 37 रन जोड़े। डिकॉक 18 रन बनाकर मोहम्मद सिराज की बॉल पर आउट हुए। इसके बाद सूर्यकुमार यादव और किशन पावर-प्ले में टीम के स्कोर को 45 रन तक ले गए। किशन 25 रन बनाकर युजवेंद्र चहल की बॉल पर आउट हुए।

रोहित शर्मा की जगह टीम में खेल रहे सौरभ तिवारी कुछ खास नहीं कर सके और 8 बॉल पर 5 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद क्रुणाल पंड्या को बैटिंग ऑर्डर में प्रमोट किया गया, लेकिन वह सिर्फ 10 रन ही बना सके।अच्छी शुरुआत को बेंगलुरु बड़े स्कोर में नहीं बदल सकी और 6 विकेट पर 164 रन ही बना पाई। देवदत्त पडिक्कल ने सीजन की चौथी फिफ्टी लगाते हुए 74 रन बनाए। गुरकीरत सिंह 14 और वॉशिंगटन सुंदर 10 बनाकर नॉट आउट रहे। वहीं, जसप्रीत बुमराह ने अपने 100 विकेट पूरे किए। उन्होंने 4 ओवर में 14 रन देकर 3 विकेट लिए। इसके अलावा कीरोन पोलार्ड, ट्रेंट बोल्ट और राहुल चाहर को 1-1 विकेट मिला।देवदत्त पडिक्कल और जोश फिलिप ने बेंगलुरु को अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों ने पावर-प्ले

में टीम को 50 रन के पार पहुंचाया। दोनों के बीच 71 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप भी हुई। इस साझेदारी को राहुल चाहर ने तोड़ा। उन्होंने फिलिप (33) को विकेट कीपर क्विंटन डिकॉक के हाथों स्टम्प कराया।कप्तान विराट कोहली और एबी डिविलियर्स इस मैच में नहीं चले। कोहली ने सिर्फ 9 रन बनाए। उन्हें जसप्रीत बुमराह ने आउट किया। इसके बाद डिविलियर्स ने कुछ अच्छे शॉट्स जरूर लगाए, लेकिन 15 रन बनाकर कीरोन पोलार्ड की बॉल पर राहुल चाहर को कैच दे बैठे।बुमराह इस मैच में कोहली का विकेट लेते ही ढ्ढक्क में 100 विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए। ऐसा करने वाले वे 16वें गेंदबाज हैं। उन्होंने लीग में 89 मैच में 102 विकेट लिए हैं। लीग में सबसे ज्यादा विकेट मुंबई इंडियंस के ही लासिथ मलिंगा के नाम है, जिन्होंने 122 मैच में 170 विकेट लिए हैं। बुमराह के ओवरऑल टी-20 में भी 200 विकेट पूरे हो गए हैं।बेंगलुरु की टीम में 3 बदलाव किए गए। चोटिल नवदीप सैनी की जगह शिवम दुबे को मौका दिया गया। ओपनर एरॉन फिंच की जगह जोश फिलिप और मोइन अली की जगह डेल स्टेन को प्लेइंग इलेवन में जगह दी गई। वहीं, मुंबई की टीम में कोई बदलाव नहीं किया गया।बेंगलुरु- देवदत्त पडिक्कल, जोश फिलिप (विकेटकीपर), विराट कोहली (कप्तान), एबी डिविलियर्स, गुरकीरत सिंह मान, शिवम दुबे, क्रिस मॉरिस, वॉशिंगटन सुंदर, डेल स्टेन, मोहम्मद सिराज और युजवेंद्र चहल। मुंबई- ईशान किशन, क्विंटन डिकॉक (विकेटकीपर), सूर्यकुमार यादव, सौरभ तिवारी, हार्दिक पंड्या, कीरोन पोलार्ड (कप्तान), क्रुणाल पंड्या, जेम्स पैटिंसन, राहुल चाहर, ट्रेंट बोल्ट और जसप्रीत बुमराह।

सीजन में पिछली बार जब दोनों टीमें आमने-सामने हुईं थीं, तो नतीजा सुपर ओवर में निकला था। दुबई में खेले गए सीजन के 10वें मैच में बेंगलुरु ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 3 विकेट पर 201 रन बनाए थे। जवाब में मुंबई ने भी 5 विकेट के नुकसान पर 201 रन बनाए थे। अंत में बेंगलुरु ने सुपर ओवर में मैच अपने नाम किया था।

मुंबई में हार्दिक पंड्या 11 करोड़ रुपए कीमत के साथ सबसे महंगे प्लेयर रहे। उन्होंने 15 बॉल पर 17 रन बनाए। प्लेइंग इलेवन में सौरभ तिवारी (50 लाख) सबसे सस्ते प्लेयर रहे। वह सिर्फ 5 रन ही बना सके।वहीं बेंगलुरु में कोहली 17 करोड़ रुपए कीमत के साथ सबसे महंगे प्लेयर रहे। उन्होंने 14 बॉल पर 9 रन बनाए। प्लेइंग इलेवन में देवदत्त पडिक्कल और जोश फिलिप 20-20 लाख रुपए कीमत के साथ सबसे सस्ते प्लेयर रहे। पडिक्कल ने 45 बॉल पर 74 और फिलिप ने 24 बॉल पर 33 रन बनाए। आईपीएल इतिहास में मुंबई ने सबसे ज्यादा 4 बार (2019, 2017, 2015, 2013) खिताब जीता है। पिछली बार उसने फाइनल में चेन्नई को 1 रन से हराया था। मुंबई ने अब तक 5 बार फाइनल खेला है। वहीं, बेंगलुरु ने अब तक 3 बार फाइनल (2009, 2011, 16) खेला और तीनों बार खिताब नहीं जीत सकी।

हैप्पी हॉलिडेः मालदीव में पति पी.कश्यप के साथ छुट्टियां मना रहीं शटलर साइना नेहवाल

माले। भारतीय बैडमिंटन स्टार साइन नेहवाल अपने पति पी. कश्यप के साथ मालदीव में छुट्टियां मना रही हैं। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर कई फोटो शेयर कीं और कैप्शन में हैप्पी हॉलिडे लिखा। इन दोनों ने हाल ही में हुए डेनमार्क ओपन से अपना नाम वापस ले लिया था। डेनमार्क ओपन से नाम वापस लेने के बाद साइना ने कहा था कि उन्हें फिटनेस को लेकर कोई प्रॉब्लम नहीं है। साइना ने कहा था कि वर्ल्ड बैडमिंटन फेडरेशन के फाइनल्स में खेलने के लिए अगर आपको 3 टूर्नामेंट खेलने जरूरी होते, तो मैं यह जरूर खेलती। अब मैंने जनवरी में होने वाले एशियन टूर में खेलने का सोचा है। वहीं, उनके पति पी.कश्यप ने इन्हीं कारणों का हवाला देते हुए टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया था।डेनमार्क ओपन से नाम वापस लेने के बाद साइना ने कहा था कि उन्हें फिटनेस को लेकर कोई प्रॉब्लम नहीं है। साइना

ने कहा था कि वर्ल्ड बैडमिंटन फेडरेशन के फाइनल्स में खेलने के लिए अगर आपको 3 टूर्नामेंट खेलने जरूरी होते, तो मैं यह जरूर खेलती। अब मैंने जनवरी में होने वाले एशियन टूर में खेलने का सोचा है। वहीं, उनके पति पी.कश्यप ने इन्हीं कारणों का हवाला देते हुए टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया था।महिला बैडमिंटन में वर्ल्ड नंबर-20 साइना नेहवाल ने 14 दिसंबर, 2018 को पी.कश्यप से शादी की थी। दोनों की शादी सादगीपूर्ण थी। सिर्फ परिवार के और करीबी लोग ही शामिल हुए थे। महिला बैडमिंटन में वर्ल्ड नंबर-20 साइना नेहवाल ने 14 दिसंबर, 2018 को पी.कश्यप से शादी की थी। दोनों की शादी सादगीपूर्ण थी। सिर्फ परिवार के और करीबी लोग ही शामिल हुए थे। पूर्व नंबर-1 बैडमिंटन प्लेयर ने अपने करियर में 24 से ज्यादा इंटरनेशनल टाइटल जीते हैं। इनमें 11 सुपर सीरीज खिताब भी हैं। वह बैडमिंटन में ओलंपिक मेडल जीतने वाली पहली खिलाड़ी हैं। साइना ओलंपिक, क्कङ्ख्न वर्ल्ड चैंपियनशिप और क्कङ्ख्न वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप में कम से कम एक मेडल जीतने वाली एकमात्र भारतीय हैं।पूर्व नंबर-1 बैडमिंटन प्लेयर ने अपने करियर में 24 से ज्यादा इंटरनेशनल टाइटल जीते हैं। इनमें 11 सुपर सीरीज खिताब भी हैं। वह बैडमिंटन में ओलंपिक मेडल जीतने वाली पहली खिलाड़ी हैं। साइना ओलंपिक, क्कङ्ख्न वर्ल्ड चैंपियनशिप और क्कङ्ख्न वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप में कम से कम एक मेडल जीतने वाली एकमात्र भारतीय हैं।साइना कॉमनवेल्थ गेम्स में दो गोल्ड मेडल (2010, 2018) जीतने वाली पहली भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी हैं। साइना को 2009 में अर्जुन अवॉर्ड, 2010 में राजीव गांधी खेल रत्न अवॉर्ड, 2016 में उन्हें पद्म भूषण से भी नवाजा जा चुका है।साइना कॉमनवेल्थ गेम्स में दो गोल्ड मेडल (2010, 2018) जीतने वाली पहली भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी हैं। साइना को 2009 में अर्जुन अवॉर्ड, 2010 में राजीव गांधी खेल रत्न अवॉर्ड, 2016 में उन्हें पद्म भूषण से भी नवाजा जा चुका है।वहीं, मेन्स बैडमिंटन में वर्ल्ड नंबर-23 पी.कश्यप 2012 लंदन ओलंपिक के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी हैं। 2014 में हुए ग्लास्गो कॉमनवेल्थ गेम्स में उन्होंने गोल्ड मेडल जीता था। कश्यप को 2012 में अर्जुन अवॉर्ड से भी नवाजा जा चुका है। वहीं, मेन्स बैडमिंटन में वर्ल्ड नंबर-23 पी.कश्यप 2012 लंदन ओलंपिक के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी हैं।

ऐक्ट्रेस माल्वी को चाकू मारकर भागने वाले प्रड्यूसर की गाड़ी पलटी

ऐक्ट्रेस माल्वी मल्होत्रा को चाकू मारकर भाग रहे प्रड्यूसर का मुंबई में उसी रात हादसे का शिकार हो गए। पुलिस को आरोपी योगेश्वर कुमार सिंह हॉस्पिटल में मिले जहां उनका इलाज चल रहा है। उनके चेहरे पर चोटें आई हैं। बुधवार देर रात तक प्रड्यूसर की गिरफ्तारी नहीं हो सकी। 1 साल से माल्वी के पीछे थे प्रड्यूसर

पुलिस के मुताबिक, आरोपी प्रड्यूसर पर पुलिस नजर रख रही है। डिस्चार्ज होते ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस ने बताया, योगेश्वर सिंह माल्वी मल्होत्रा का एक साल पीछा कर रहे थे। घटना वाले दिन उन्हें जबरन कार में बैठाने की कोशिश की। जब माल्वी ने भागने की कोशिश की तो गुस्से में पेट में चाकू मारकर भाग निकले।

पुलिस ने ट्रैक किया तो ऐक्सिडेंट का पता चला

पुलिस ने घटना के बाद सीसीटीवी से उनको ट्रैक करने की कोशिश की थी जिसके बाद उनके मोबाइल की लोकेशन से उनका पता लगाया गया। योगेश्वर ने माल्वी पर रात 9 बजे हमला किया था। जोनल डीसीपी अभिषेक त्रिमुखे ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज चेक करने के बाद योगेश्वर के रूट पर गए तो पता चला कि नियंत्रण खो बैठने पर उनकी गाड़ी पलट गई। वहीं ऐक्ट्रेस माल्वी का भी इलाज चल रहा है। वह अस्पताल में भर्ती हैं।

शेफाली जरीवाला और मीका सिंह करने वाले हैं धमाल

शेफाली जरीवाला कांटा लगा गाने से लोगों को अपनी अदाओं का दीवाना बना चुकी हैं। बीते साल बिग बॉस में भी उन्हें लोगों का खूब प्यार मिला। अब वह फैन्स के लिए कुछ धमाकेदार लेकर आ रही हैं। इंट्रेस्टिंग बात ये है कि उनके साथ ये धमाका मीका सिंह करने वाले हैं। सोशल मीडिया पर उनकी बोल्ड तस्वीरें छाई हुई हैं।

मीका के साथ चाकू लिए नजर आ रही हैं शेफाली

शेफाली ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर मीका सिंह के साथ तस्वीरें पोस्ट की हैं। इसमें वह चाकू लिए नजर आ रही हैं साथ में मीका हैं। शेफाली ने साथ में कैप्शन दिया है, मार दिया जाए... कि छोड़ दिया जाए? उनके हैशटैग्स हैं सहोठों पे बस और शायद वह नए गाने की तरफ इशारा कर रही हैं। शेफाली और मीका के बीच है 15 साल पुरानी दोस्ती स्पॉटबॉय की रिपोर्ट के मुताबिक, शेफाली ने बताया कि उनकी मीका सिंह से दोस्ती 15 साल पुरानी है। वे साथ मिलकर फैन्स के लिए कुछ अच्छा लाना चाहते थे। इस पर काफी टाइम से प्लान कर रहे थे। लॉकडाउन की वजह से चीजें रुक गई थीं।

लूडो में बिट्टू का किरदार निभा रहे अभिषेक बच्चन, इंस्टा पर शेयर की तस्वीर

अभिनेता अभिषेक बच्चन अपनी आगामी फिल्म लूडो को लेकर काफी उत्साहित हैं। अभिषेक बच्चन ने फिल्म लूडो का एक नया पोस्टर शेयर किया है। यह फिल्म अनुराग बसु द्वारा निर्देशित है। फिल्म में अभिषेक बिट्टू नाम का किरदार निभा रहे हैं। फिल्म मनमर्जियां के रिलीज के करीब दो साल बाद अभिषेक बच्चन फिल्म लूडो के साथ वापसी कर रहे हैं। अभिनेता ने अपनी फिल्म से एक नया पोस्टर शेयर किया जिसमें वह टपोरी और गंभीर लुक में नजर आ रहे हैं। अभिषेक बच्चन की यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर जल्द रिलीज होने वाली है। अभिनेता अभिषेक बच्चन ने इंस्टाग्राम पर अपनी तस्वीर शेयर कर लिखा-बिट्टू का किरदार मैं लूडो में निभा रहा हूं, वह बेहद क्लासिक है। यह बाहर से कठोर के साथ नरम दिल वाला किरदार है। यह निभाना काफी चुनौती भरा था लेकिन उसके साथ ही काफी संतोषजनक भी। तब तक इंतजार नहीं कर सकता, जब तक आप सभी से मिल न लें। लूडो 12 नवंबर को नेटफ्लिक्स पर आ रही है। अभिषेक बच्चन के पोस्ट पर उनके फैंस के साथ कई सेलिब्रिटी ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। अभिनेता ऋतिक रोशन ने लिखा-अच्छे लग रहे हो। वहीं करण जौहर ने दिल वाली इमोजी शेयर की है। अभिनेत्री बिपाशा बसु ने लिखा-ट्रेलर बहुत पसंद आया, शुभकामनाएं। सिकंदर खेर ने लिखा-बिट्टू बिट्टू बिट्टू !!! फड्डू शूट। बिपाशा बसु और सिकंदर खेर ने अभिषेक बच्चन के साथ फिल्म प्लेयर्स में काम किया है। इसके अलावा फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा, निर्देशक अपूर्व लाखिया, रोहित रॉय, कोरियोग्राफर और निर्देशक फराह खान, ईशा देओल, जोया अख्तर, अभिनेता अंगद बेदी आदि ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। फिल्म लूडो में अभिनेता अभिषेक बच्चन, राजकुमार राव, आदित्य रॉय कपूर, पंकज त्रिपाठी, फातिमा सना शेख और सान्या मल्होत्रा मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म लूडो में मेट्रो सिटीज की 4 अलग-अलग कहानियां दिखाई जाएंगी। फिल्म लूडो का निर्माण भूषण कुमार, अनुराग बसु, दिव्या खोसला कुमार, तानी बसु और कृष्ण कुमार ने किया है। निर्देशक अनुराग बसु की फिल्म लूडो पहले 24 अप्रैल को रिलीज होने वाली थी, लेकिन लॉकडाउन के चलते ऐसा नहीं हुआ। अब फिल्म लूडो इस साल 12 नवंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। वर्कफ्रंट पर बात करें तो अभिषेक बच्चन की वेब सीरीज ब्रीद इनटू द शैडोज जुलाई माह में अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई थी। इस वेब सीरीज को दर्शकों के साथ-साथ समीक्षकों से भी प्रशंसा मिली थी। अभिषेक बच्चन जल्द ही कूकी गुलाटी द्वारा निर्देशित द बिग बुल में आने वाले हैं। यह फिल्म ओटीटी ओटीटी प्लेटफार्म पर रिलीज होगी। इसके अलावा अभिषेक शाहरुख खान के प्रोडक्शन हाउस रेड चिलीज के बैनर तले बन रही फिल्म बॉब बिस्वास में मुख्य भूमिका में दिखाई देंगे।

साजिद नाडियाडवाला ने टाइगर श्रॉफ की फिल्म हीरोपंती 2 और बागी 4 के लिए बनाई टीम

अभिनेता टाइगर श्रॉफ ने कम समय में ही बॉलीवुड में अपनी अलग पहचान बना ली है। बेहतरीन स्टंट और डांस के अलावा टाइगर अपनी फिटनेस के लिए भी जाने जाते हैं। टाइगर श्रॉफ अपनी आगामी फिल्म हीरोपंती 2 और बागी 4 के लिए तैयार हैं। टाइगर श्रॉफ ने साजिद नाडियाडवाला को अपना गुरु माना है। उन्होंने न केवल उन्हें हीरोपंती में लॉन्च किया, बल्कि उनके साथ आगे भी बागी, बागी 2 और बागी 3 जैसी सफल फिल्मों को बनाया। बागी सीरिज की तीनों फिल्मों में एक्शन दमदार रहा है। फिल्म बागी 3 इसी साल मार्च रिलीज हुई थी।

फिल्ममेकर साजिद नाडियाडवाला ने अब बागी 4 की तैयारियां शुरू कर दी है। फिल्म हीरोपंती 2 और बागी 4 में अभिनेता टाइगर श्रॉफ मुख्य भूमिका में होंगे।

अभिनेता टाइगर श्रॉफ ने ट्वीट किया-दो फेंचाइजी, एक इमोशन! हीरोपंती 2 और बागी4। हीरोपंती 2 की जल्द ही शूटिंग होगी। बागी 4 के बारे में जल्द ही डिटेल मिलेगी। फिर एक और मेरे मेंटर साजिद नाडियाडवाला सर के साथ।

निर्देशक अहमद खान ने ट्वीट-इस जोड़ी के साथ आना हमेशा एक खुशी की बात रही है। वापस आकर खुश हूं और अब हम पहले से कहीं अधिक बड़ा रोल सेट करने करने के लिए तैयार हैं। साजिद नाडियाडवाला की हीरोपंती 2 और बागी 4, टाइगर श्रॉफ द्वारा अभिनीत जल्द आ रहा है। टाइगर श्रॉफ ने 2014 में फिल्म हीरोपंती से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। टाइगर श्रॉफ की आखिरी रिलीज फिल्म बागी फ्रेंचाइजी की बागी 3 है। यह फिल्म इस साल मार्च में रिलीज हुई थी। पहले ओपनिंग वीक में फिल्म बागी 3 ने 87 करोड़ 25 लाख रुपये का कलेक्शन किया था, लेकिन कोरोना वायरस के चलते सिनेमाघरों को बंद कर दिया गया था। बागी 3 को अहमद खान ने निर्देशित किया था और इसे साजिद नाडियाडवाला ने प्रोड्यूस किया था।

अनफेयर एंड लवली' की शूटिंग से पहले रणदीप हुड्डा ने करवाया कोरोना का टेस्ट

अभिनेता रणदीप हुड्डा ने अपनी आगामी फिल्म अनफेयर एंड लवली की शूटिंग जल्द शुरू? करने वाले हैं। रणदीप हुड्डा ने सोशल मीडिया पर अपने प्रशंसकों को सूचित किया कि उन्हें कोरोना टेस्ट से गुजरना पड़ा है। अनफेयर एंड लवली की शूटिंग से पहले अभिनेता ने एहतियात के तौर अपना कोविड-19 टेस्ट करवाया है। रणदीप हुड्डा ने ट्विटर पर खुद की एक तस्वीर शेयर कर यह जानकारी दी। 44 वर्षीय अभिनेता रणदीप हुड्डा ने तस्वीर शेयर कर लिखा- एहतियात इलाज से बेहतर है। शूटिंग के लिए जा रहे हैं, इसलिए कोरोना का टेस्ट किया गया! आशा है कि यह सभी अच्छी तरह से चलेगा। साथ ही उन्होंने हैशटैग अनफेयरएंडलवली और कोविड19 लगाया। तस्वीर में पीपीई किट पहने स्वास्थ्यकर्मी उनका टेस्ट करते नजर आ रहा है। हाल में फिल्म अनफेयर एंड लवली की घोषणा हुई है। इस फिल्म में पहली बार रणदीप हुड्डा और इलियाना डिक्रूज साथ में स्क्रीन शेयर करेंगे। फिल्म में इलियाना एक हरियाणवी लड़की की भूमिका निभाएंगी। फिल्म की शूटिंग हरियाणा की जाएगी। फिल्म मुबारकां और सांड की आंख की पटकथा लिखने वाले बलविंदर सिंह जंजुआ फिल्म अनफेयर एंड लवली को निर्देशित करेंगे। सोनी पिक्चर्स मूवी टनल प्रोडक्शन के साथ मिलकर इस फिल्म का निर्माण करेगी।

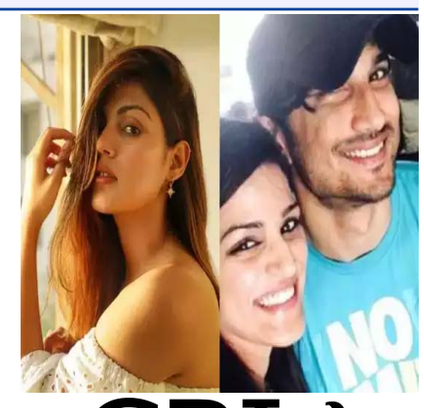

CBI ने हाई कोर्ट से कहा- सुशांत की बहनों पर लगाए रिया चक्रवर्ती के आरोप काल्पनिक

सीबीआई ने बुधवार को बॉम्बे हाई कोर्ट को बताया कि रिया चक्रवर्ती ने सुशांत सिंह राजपूत की बहनों पर जो आरोप लगाए हैं, वे काल्पनिक हैं। बता दें, रिया ने आरोप लगाया था कि बहनों ने सुशांत के लिए झूठा मेडिकल प्रिस्क्रिप्शन बनवाया। सुशांत की बहनों प्रियंका सिह और मीतू सिंह के खिलाफ मुंबई पुलिस ने केस दर्ज किया था जिस पर दोनों ने पिटिशन फाइल की थी। इस पर सीबीआई ने कहा कि ऐसी संभावना एफआईआर का आधार नहीं हो सकती है। सुशांत की गर्लफ्रेंड रिया ने आरोप लगाया था कि जून में सूइसाइड से पहले एक गलत प्रिस्क्रिप्शन का इस्तेमाल किया गया ताकि सुशांत नारकोटिक ड्रग्स और साइकोट्रोपिक सब्सटेंसेस ऐक्ट के तहत बैन दवाइयां ले सकें। सीबीआई ने कहा कि मौजूदा एफआईआर में जो आरोप हैं, उनमें से ज्यादातर काल्पनिक हैं। जांच एजेंसी ने यह भी कहा कि सुशांत के पिता के के सिंह ने रिया और उनके परिवार के खिलाफ जो एफआईआर कराई थी, उसकी जांच चल रही है। बता दें, सुशांत की बहनों ने वकील माधव थोरट के जरिए 6 अव?टूबर को याचिका दायर की थी कि जो एफआईआर बांद्रा पुलिस स्टेशन में उनके खिलाफ की गई है, उसे खारिज कर दिया जाए। सीबीआई ने कहा- मुंबई पुलिस से थी उम्मीद सीबीआई ने कहा, पुलिस को एफआईआर दर्ज करने से पहले शुरुआती जांच कर लेनी चाहिए। एक ही चीज के लिए दो एफआईआर दर्ज नहीं की जा सकती है। हम सुशांत की मौत से जुड़े कारणों की जांच कर रहे हैं। इसे देखते हुए मुंबई पुलिस से उम्मीद की जा रही थी कि वे रिया की शिकायत को हमें फॉरवर्ड करेंगे, न कि खुद एफआईआर दर्ज करेंगे।

रिया को पहले ही देनी चाहिए चैट की जानकारी

सीबीआई ने कहा कि अगर रिया को सुशांत और बहन प्रियंका के बीच जून 2020 में हुई मोबाइल फोन चैट के बारे में पता था और अगर उसी दौरान प्रियंका ने सुशांत को झूठा प्रिस्क्रिप्शन भेजा था तो रिया को सितंबर तक इस बारे में चुप्पी साधे नहीं रखनी चाहिए थी। बता दें, अब मामले की सुनवाई 4 नवंबर को होगी।

आश्रम के दूसरे सीजन का ट्रेलर देख फैन्स का बढ़ा एक्साइटमेंट

प्रकाश झा की वेब सीरीज आश्रम के पहले सीजन की खुमारी अभी तक लोगों के सिर से नहीं उतरी है। मेकर्स ने सीजन का ट्रेलर रिलीज कर दिया है। फैन्स ट्रेलर देखकर सेकंड सीजन के लिए उतावले हो रहे हैं। यह 11 नवंबर को एमएक्स प्लेयर पर लाइव होगा। दर्शकों के लिए हैं कई सरप्राइज इस सीजन में भी बॉबी देओल काशीपुर वाले निराला बाबा के रूप में मेन रोल में नजर आएंगे। दर्शकों के लिए इस सीजन में कुछ सरप्राइजेज हैं क्योंकि यह पहले से ज्यादा डार्क और इंट्रेस्टिंग होने जा रहा है। ट्रेलर में आपको लिखा दिखेगा रक्षक या भक्षक और जिस तरह का किरदार दिखाया गया है उसे देखकर आप खुद को भगवान बताने वाले बाबाओं के बारे में सोचने पर मजबूर हो सकते हैं। पहले सीजन की क्रिटिक्स और दर्शकों ने काफी तारीफ की थी। दूसरे सीजन में आपको आश्रम के छिपे गहरे राज पता चलेंगे।

किआरा आडवाणी चाहती हैं कभी न नहाएं ऋ तिक रोशन और आदित्य रॉय कपूर

फिल्म अभिनेत्री कियारा आडवाणी इस समय काफी चर्चा में है। उन्होंने एम एस धोनी मूवी में साक्षी का रोल किय था, जिसके बाद उन्हें कई फिल्मों के ऑफर भी मिले। हाल ही में उन्होंने ने माना है कि ऋतिक रोशन और आदित्य राय कपूर बिना कभी नहाए भी हमेशा कूल और रफ नजर आ सकते हैंद्य नो फिल्टर नेहा चैट शो में नेहा ने कियारा आडवाणी के साथ बात की है. एक काल्पनिक परिस्थिति के बारे में जब नेहा ने कियारा से पूछा कि बॉलीवुड के कई सारे लोग घर में फंसे हुए हैंद्य कौन है जो आपको लगता है सबसे ज्यादा लोगों का मनोरंजन करेगा?' इस पर कियारा आडवाणी ने अक्षय कुमार का नाम लिया, जब उन्होंने पूछा कि वह कौन होगा, जो घर में नहाता नहीं होगाद्य तब उन्होंने कहा, हम नहीं चाहते कि यह व्यक्ति कभी नहाएद्य हम चाहते है कि यह व्यक्ति ऐसे ही और कूल और रफ नजर आएद्य मेरे ख्याल से यह ऋतिक रोशन और आदित्य रॉय कपूर होंगे।' इस मौके पर दोनों ने खाने के बारे में भी बात की कियारा आडवाणी ने बताया कि बांद्रा में यह हमेशा होता है, क्योंकि मेरे घर के आस-पास बहुत से कलाकार रहते हैं. मैं उनके किचन में घुस जाती हूं. हर कोई बहुत शानदार खाना खाता है और मुझे भिंडी बहुत पसंद आती है.' कियारा ने करीना कपूर की फिल्म का फेमस डायलॉग भी सुनाया, तुम्हारा कोई हक नहीं बनता कि तुम इतनी खूबसूरत लगो, नॉट फेयर.' वीडियो शेयर करते हुए नेहा धूपिया ने लिखा, कियारा आडवाणी के साथ मेरी बातचीत देखिए नो फिल्टर नेहा के पांचवें सीजन मेंद्य' कियारा आडवाणी जल्द फिल्म लक्ष्मी बम' में नजर आने वाली है इस फिल्म में उनके अलावा अक्षय कुमार की अहम भूमिका है. इसके बाद कियारा सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ एक फिल्म में नजर आंएगी.

मनोज बाजपेयी की फिल्म सूरज पे मंगल भारी का डांस नंबर बसंती हुआ रिलीज

मनोज बाजपेयी, दिलजीत दोसांझ और फातिमा सेन की फिल्म सूरज पे मंगल भारी का गाना बसंती रिलीज हो गया है। निर्माताओं ने डांस नंबर बसंती को रिलीज किया। इस गाने में करिश्मा तन्ना के साथ मनोज बाजपेयी और अभिषेक बनर्जी ठुमके लगाते नजर आ रहे हैं। बॉलीवुड के किसी गाने में करिश्मा तन्ना का पहला डांस नंबर है और शिमरी रेड गाउन में करिश्मा तन्ना काफी गॉर्जियस लग रही हैं। फिल्म में मनोज बाजपेयी एक जासूस की भूमिका निभा रहे हैं और शोले से प्रेरित इस गाने में मनोज बाजपेयी पहचान में नहीं आ रहे हैं। गाने में दिलजीत दोसांझ को क्लब पहुंचने और बाहर निकलने की कोशिश करते देखा जा सकता है। गाना बसंती को दानिश साबरी ने लिखा है, जिसे जावेद-मोहसिन, पायल देव और दानिश ने अपनी आवाज दी है। जावेद-मोहसिन द्वारा कंपोज यह गीत काफी मजेदार है। यह गाना विजय गांगुली द्वारा कोरियोग्राफ किया गया है।अभिनेता मनोज बाजपेयी ने सोशल मीडिया पर गाने का लिंक शेयर किया है। फिल्म के इस गाने बसंती ट्रेलर को ट्विटर पर शेयर कर मनोज बाजपेयी ने लिखा-पेश है एक सिजलिंग गाना जो आपको डांस फ्लोर पर अपना नियंत्रण खो देगा! बसंती गाना आ गया। मनोज बाजपेयी गाना बसंती में एक लंबे समय के बाद कैमरे के सामने थिरकते देखे गए हैं। मनोज ने कहा कि मैंने गाने बसंती की आकर्षक बीट्स पर नृत्य करने का आनंद लिया। इस गाने ने मुझे फिल्म सत्या की याद दिला दी। मैं डांस का बहुत बड़ा प्रशंसक नहीं हूं, लेकिन मैं इसे खराब नही मानता जब इसके द्वारा कहानी कहने की सुविधा मिलती है। मेरे पास आखिरकार एक अच्छा समय था और मुझे उम्मीद है कि लोग मेरे इस छोटे से सरप्राइज का आनंद लेंगे। फिल्म सूरज पे मंगल भारी एक पारिवारिक कॉमेडी फिल्म हैं। फिल्म में मनोज बाजपेयी मधु मंगल राणे के किरदार में है, जो एक जासूस की भूमिका में हैं। अभिनेता दिलजीत दोसांझ एक दूल्हे की भूमिका में होंगे, वहीं फातिमा सना शेख एक मराठी लड़की की किरदार निभा रही हैं। इस फिल्म में मनोज बाजपेयी, दिलजीत दोसांझ और फातिमा सना शेख के अलावा अन्नू कपूर, मनोज पाहवा, सीमा पाहवा, सुप्रिया पिलगांवकर, नेहा पेंडसे, मनुज शर्मा, नीरज सूद, अभिषेक बनर्जी, विजय बजाज, करिश्मा तन्ना, वंशिका शर्मा भी हैं। फिल्म की कहानी 1990 के दशक में सेट की गई है, जब कोई सोशल मीडिया या मोबाइल फोन नहीं था।

गूगल पर सबसे ज्यादा सर्च की गयी अन्वेशी जैन

आज हम जिस एक्ट्रेस की बात कर रहे है वह और कोई नहीं बल्कि अन्वेषी जैन है, अन्वेषी जैन हमेशा ही अपनी खूबसूरती के चलते चर्चाओं में बनी रहती है और अपनी एक्टिंग के बल पर अपने फैंस का दिल भी जीत चुकी है। वह हमेशा ही अपनी खूबसूरत फोटोज के चलते चर्चाओं में बनी रहती है। हम बता दें कि अन्वेषी जैन बहुत ही कम समय में पॉपुलरटी के शिखर तक पहुंच गई है। जिसके साथ ही वह गूगल पर सबसे ज्यादा सर्च की जाने वाली एक्ट्रेस बन गई। अन्वेषी जैन मूल रूप से इंदौर की रहने वाली हैं, और वे 28 साल की हो चुकीं हैं। इस समय अन्वेषी सोशल मीडिया पर बहुत ज्यादा लोकप्रिय हो चुकीं हैं। पिछले कुछ दिनों से गूगल पर सबसे ज्यादा सर्च की जाने वाली अभिनेत्रियों मे से एक हैं।

कंचन उजाला
हिंदी दैनिक

स्वामी नमोकंचन कार्पोरेट सर्विसेस (एल.एल.पी) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक कंचन सोलंकी द्वारा उमाकान्ती ऑफसेट प्रेस, ग्राम डेहवा पोस्ट मोहनलाल गंज लखनऊ से मुद्रित एवं 61/18 चुटकी भण्डार हुसैनगंज लखनऊ से प्रकाशित।

संपादक- कंचन सोलंकी

TITLE CODE- UPHIN48974

Mob: 8896925119, 9695670357
Email: kanchansolanki397@gmail.com

नोटः समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारो एवं लेखों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही। समस्त विवादो का निस्तारण लखनऊ न्यायालय के अधीन होगा।